E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 116 | प्रयागराज, शनिवार 15 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान युद्ध ने तेल कारोबार का तरीका बदला,होर्मुज पर खाड़ी देशों का भरोसा खत्म

अब नई पाइपलाइन पर अरबों डॉलर खर्च हो रहे

तेहरान। छह महीने पहले तक खाड़ी देशों के लिए तेल बेचना बेहद आसान था। सबसे कम लागत में तेल निकालो, होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते दुनिया तक पहुंचाओ और सबसे ज्यादा कीमत देने वाले देशों को बेच दो। लेकिन ईरान के साथ जंग के बाद यह मॉडल बदल गया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से तेल ढुलाई लगातार प्रभावित रही। समुद्री बारूदी सुरंगों, मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे, अमेरिका और ईरान की नाकेबंदी तथा बढ़ी बीमा लागत के कारण इस रास्ते से हर दिन गुजरने वाला कच्चा तेल 2 करोड़ बैरल से घटकर 37 लाख बैरल रह गया। इसी वजह से सऊदी अरब, यूएई और कुवैत समेत कई खाड़ी देश अब होर्मुज पर निर्भरता कम करने में जुट गए हैं। नई पाइपलाइन बिछाई जा रही हैं, पुरानी लाइनों

की क्षमता बढ़ाई जा रही है और एशिया में ऑयल स्टोरेज तैयार किया जा रहा है। यूएई चाहता है, पूरा तेल होर्मुज से गुजरे बिना निर्यात हो- इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल यूएई है। इस देश का कारोबार काफी हद तक व्यापार और समुद्री रास्तों पर निर्भर है। लेकिन होर्मुज संकट का सबसे ज्यादा असर भी उसी पर पड़ा। इसलिए अब वह ऐसे नए रास्ते तैयार कर रहा है, जहां से व्यापार और तेल निर्यात होर्मुज स्ट्रेट पर निर्भर न रहे। इसके लिए ओमान की खाड़ी के किनारे बसे फुजैरा में दूसरी तेल पाइपलाइन का काम तेजी से चल रहा है। यह पाइपलाइन अबू धाबी के तेल क्षेत्रों को सीधे फुजैरा से जोड़ेगी, जिससे टैंकरों को होर्मुज से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रोजेक्ट पूरी होने के बाद यूएई की होर्मुज स्ट्रेट को बायपास कर तेल निर्यात करने की क्षमता बढ़कर 36 लाख बैरल प्रतिदिन हो जाएगी। यानी कि अबू धाबी के लगभग पूरे ऑनशोर तेल को बिना होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश किए सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजा जा सकेगा। ऑनशोर तेल का मतलब है जमीन पर स्थित तेल इलाके से निकाला गया कच्चा तेल। इसके उलट ऑफशोर तेल समुद्र के अंदर बने तेल कुओं से निकाला जाता है। यूएई सिर्फ तेल ही नहीं, गैस कारोबार को भी सुरक्षित बनाने में जुटा है। तेहरान।

ट्रम्प की वफादार कैरोलिन लेविट ने नौकरी छोड़ी,पत्रकारों पर तंज के लिए थीं मशहूर, कहा- अच्छी मां बनना चाहती हूं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिनी जाने वाली व्हाइट हाउस प्रेस सचिव

कैरोलिन लेविट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 28 साल की लेविट इस महीने के आखिर में व्हाइट हाउस छोड़ देंगी।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि लेविट अब अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं। हालांकि, वह ट्रम्प की बाहरी सलाहकार बनी रहेंगी और रिपब्लिकन पार्टी के लिए काम करती रहेंगी।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की हार के 65फीसदी सम्भावना, हारे तो मनमानी पर रोक लगेगी, नवंबर में होनी है वोटिंग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती

दिख रही हैं। इप्सॉस-एएपीआई सर्वे के मुताबिक, चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के हारने की संभावना 65फीसदी तक है। मिडटर्म के लिए वोटिंग नवंबर में होनी है। मिडटर्म चुनाव ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के बीच होने वाला बड़ा राजनीतिक इम्तिहान है। इसमें अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के साथ राज्यों और स्थानीय सरकारों के कई अहम पदों के लिए वोटिंग होगी। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के करीब 80फीसदी उम्मीदवार पहले ही तय हो चुके हैं। मिडटर्म में रिपब्लिकन पार्टी हारती है तो ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। लेकिन कांग्रेस में बहुमत खोने पर उनके फैसलों पर रोक-टोक बढ़ सकती है। टैरिफ, वीजा और दूसरे बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने में ट्रम्प को डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कार्यकाल के बाकी दो साल में उन्हें कांग्रेस के साथ ज्यादा तालमेल बनाकर चलना होगा।

1. महंगाईः ट्रम्प की आर्थिक रेटिंग 32फीसदी पर? फिसल गई-अमेरिकी वोटरों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई है। इप्सोस सर्वे में 54फीसदी लोगों ने महंगाई और अर्थव्यवस्था को वोट का बड़ा मुद्दा बताया। वहीं, एपी-एनओआरसी सर्वे में सिर्फ 32फीसदी लोगों ने माना कि ट्रम्प अर्थव्यवस्था अच्छी तरह संभाल रहे हैं। 69फीसदी अमेरिकियों को मौजूदा आर्थिक हालात खराब लगते हैं।

इप्सोस सर्वे में 65फीसदी लोगों ने कहा कि रोजमर्रा का किराना महंगा पड़ रहा है, जबकि 48फीसदी को डर है कि अगले साल आर्थिक हालात और खराब हो सकते हैं।

ईरान युद्धः 20फीसदी वोटरों के लिए बड़ा मुद्दा-ईरान युद्ध अब सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। इसका असर सीधे अमेरिकी लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

जापान में एक घंटे में ही हुई पूरे महीने की बारिश,4 की मौत,पहली बार खतरे की सबसे ऊंची चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो से सटे चिबा प्रांत में

गुरुवार रात महज एक घंटे में 115 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य तौर पर पूरे अगस्त महीने में होने वाली बारिश के बराबर है। मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति बन गई, जिसमें अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 घायल भी हुए हैं। भारी बारिश के कारण नारिता एयरपोर्ट पर 7 हजार यात्री रातभर फंसे रहे, जबकि 4 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश देना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पहली बार इस इलाके के लिए लेवल-5 की सबसे ऊंची चेतावनी जारी की है। यह सबसे ऊंचा अलर्ट होता है, जिसे जान पर तत्काल खतरा होने की स्थिति में जारी किया जाता है। 45 हजार घरों की बिजली गई, सेना राहत काम में जुटी-मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, गर्म और नमी वाली हवा जब ऊपर मौजूद ठंडी हवा से मिली, तो वातावरण बेहद खराब हो गया। इसी वजह से बहुत तेज बारिश हुई। विभाग ने बताया कि शुक्रवार देर रात तक बारिश जारी रहने की आशंका है। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए।

करीब 45 हजार घरों की बिजली गुल हो गई, जबकि राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए जापान की सेना भी तैनात की गई है। कारों में फंसे लोगों की जान गई-इचिकावा शहर में बाढ़ से भरी सड़क पर 60 से 70 साल उम्र के एक व्यक्ति का शव मिला।टोक्यो। वहीं, सकुरा शहर में 66 साल की एक महिला की मौत हो गई।

पाकिस्तानी पीएम की धमकी- पानी रोका तो मुंहतोड़ जवाब देंगे,कश्मीर पर रुख कभी नहीं बदलेंगे

मुनीर की लीडरशिप में हमने दुश्मन को हराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को एक बार फिर धमकी दी है। उन्होंने

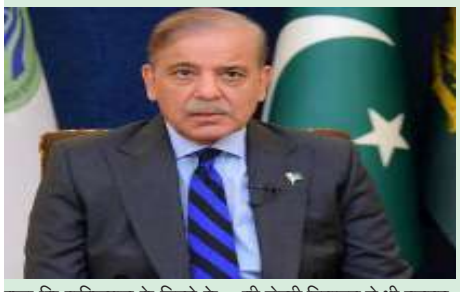

कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर कोई समझौता नहीं होगा। अगर इसे रोकने या कम करने की कोशिश हुई तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने गुरुवार को इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान का रुख कभी नहीं बदलेगा। अपने भाषण में शहबाज ने एक बार फिर सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए दावा किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को हराया। शहबाज शरीफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री-'पाकिस्तान पड़ोसी देशों के साथ शांति चाहता है, लेकिन उसकी शांति की इच्छा को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। भारत को सही रास्ते पर आना होगा, नहीं तो उसे सीधा जवाब मिलेगा।' चीन-पाकिस्तान की दोस्ती हिमालय से भी मजबूत-शहबाज ने अपने भाषण में चीन-पाकिस्तान की दोस्ती को हिमालय से भी बुलंद बताया। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान का अजीम दोस्त है। हर मुश्किल घड़ी में वह चट्टान की तरह हमारे देश के साथ रहा है। फिर दोहराया- ट्रम्प ने कराया था युद्धविराम-शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में फिर दावा किया कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अहम भूमिका रही थी। उन्होंने ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी पहल से समय रहते युद्धविराम संभव हो सका। हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि संघर्ष विराम दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच सीधे बातचीत से हुआ था और इसमें किसी तीसरे देश की कोई मध्यस्थता नहीं थी। कश्मीर, फिलिस्तीन और अफगानिस्तान पर भी बोले-अपने भाषण में शहबाज शरीफ ने कहा कि कश्मीर पर पाकिस्तान का रुख नहीं बदलेगा और कश्मीरियों की कुर्बानी बेकार नहीं जाने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान फिलिस्तीन के लोगों के अधिकारों का समर्थन करता रहेगा। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार से उन्होंने अपील की कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दे। साथ ही दावा किया कि पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका भी निभाई है। भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि पर रोक लगाई-सिंधु जल समझौता समझौता भारत-पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा करता है। 19 सितंबर 1960 को भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस पर दस्तखत किए थे। इसके जरिए सिंधु जल प्रणाली में पूरब की 3 नदियों का पानी भारत को और पश्चिम की 3 नदियों का पानी पाकिस्तान को देना तय हुआ था।

इमरान खान से रिश्तेदारों की मुलाकात पर कोर्ट लेगी फैसला,जेल से अस्पताल भेजने की याचिका पर भी सुनवाई

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के 3 जज सुनेंगे केस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात और उनके इलाज से जुड़ी

याचिकाओं पर 18 अगस्त को सुनवाई तय की है। मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी। कोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय ने सभी संबंधित पक्षों और उनके वकीलों को नोटिस जारी कर दिए हैं। बेंच में जस्टिस शाहिद वाहिद, जस्टिस नईम अफगान और जस्टिस इश्तियाक इब्राहिम शामिल हैं। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, आतंकवाद समेत कई मामलों की सुनवाई चल रही है। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनकी सरकार गिरने के बाद से उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) लगातार उनकी रिहाई और उनसे मुलाकात की मांग करती रही है। इमरान ने अरविंद केजरीवाल का जिक्र किया था-इमरान खान जब आखिरी बार सुनवाई के लिए पेश हुए थे तब उन्होंने आरोप लगाया था कि आम चुनाव से पांच दिन पहले अलग-अलग मामलों में उन्हें दोषी ठहराया गया, ताकि वे चुनाव से बाहर हो जाएं। इमरान ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी गई, जबकि उन्हें ऐसा कोई मौका नहीं दिया गया। उनका कहना था कि लोकतंत्र में चुनाव के दौरान सभी नेताओं के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। पाकिस्तानी पत्रकार ने जताई थी मौत की आशंका-अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानी पत्रकार वजाहत सईद खान ने इस हफ्ते एक वीडियो जारी कर इमरान खान की मौत की आशंका जताई थी। इस दावे के बाद इमरान खान की बहनों ने भी सवाल उठाए थे कि उन्हें अपने भाई से मिलने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है। बाद में वजाहत ने सफाई दी कि इमरान खान की मौत की खबर की उन्होंने पुष्टि नहीं की थी। यह सिर्फ सेना के कुछ अधिकारियों से मिली जानकारी के आधार पर लगाया गया उनका अनुमान था। इमरान की पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी-पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कहा है कि यदि इमरान खान से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई तो वह बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी। पार्टी ने 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च का भी ऐलान किया है। पार्टी का दावा है कि जरूरत पड़ने पर 20 लाख से ज्यादा समर्थक सड़कों पर उतर सकते हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने कहा कि पीटीआई की केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व इस फैसले के साथ है। उनके मुताबिक, लॉन्ग मार्च का मकसद सिर्फ इमरान खान की रिहाई नहीं, बल्कि उनसे मुलाकात का अधिकार सुनिश्चित कराना भी है। नवंबर 2025 में बहनों को मिलने की मिली थी अनुमति-इमरान खान की बहन उज्मा खान ने नवंबर 2025 में अडियाला जेल में उनसे मुलाकात की थी। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा था कि इमरान खान शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हैं, लेकिन उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उज्मा ने आरोप लगाया था कि इमरान की बाहरी दुनिया तक पहुंच लगभग खत्म कर दी गई है और इसके लिए उन्होंने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया था। अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान-इमरान खान अगस्त 2023 से अडियाला जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई मामलों में मुकदमे चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद से पीटीआई लगातार उनकी रिहाई, नियमित मुलाकात और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करती रही है।

बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव में कड़ा मुकाबला,बीएनपी प्रत्याशी फखरुल की जीत तय

ढाका। बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव का मुकाबला होने जा रहा है। 1991 के बाद यह पहली बार है, जब राष्ट्रपति

पद के लिए दो उम्मीदवार मैदान में होंगे। रूलिंग पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने गुरुवार को पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। बांग्लादेश में राष्ट्रपति को जनता सीधे नहीं चुनती। संसद के सदस्य राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। फरवरी में हुए आम चुनाव में बीएनपी को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला था। इसलिए फखरुल की जीत लगभग तय मानी जा रही है। दूसरी ओर, बांग्लादेश की मुख्य कट्टरपंथी विपक्षी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने भी अपना उम्मीदवार उतारा है। जमात के नेतृत्व वाले चुनाव में राष्ट्रपति का चुनाव दोबारा सांसदों के जरिए होने लगा। होगा। आखिरी बार 1991 में चुनाव में मुकाबला हुआ था-बांग्लादेश में अब तक 12 राष्ट्रपति चुनाव हुए हैं। इनमें 8 बार राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गए। संविधान लागू होने के बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव 1974 में हुआ, जिसमें सांसदों ने वोट देकर मोहम्मद मोहम्मदुल्लाह को चुना। 1975 में संविधान संशोधन के बाद राष्ट्रपति का चुनाव सीधे जनता से कराने की व्यवस्था हुई। इसके तहत 1978, 1981 और 1986 में लगातार तीन बार जनता ने राष्ट्रपति चुना।ढाका।1991 में फिर संसदीय व्यवस्था लागू हुई और राष्ट्रपति का चुनाव दोबारा सांसदों के जरिए होने लगा।

रिपोर्ट- अमेरिकी नौसैनिकों ने वॉरशिप से कूदने की कोशिश की,इस वॉरशिप पर 5000 मरीन

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात अमेरिकी नौसैनिक मानसिक और शारीरिक तनाव से गुजर रहे हैं। नेवी टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज पर तैनात 6 अमेरिकी सैन्यकर्मियों ने जहाज से समुद्र में कूदने की कोशिश की। यूएसएस अब्राहम लिंकन करीब 9 महीने से समुद्र में है। ये वॉरशिप ईरान जंग के दौरान लगातार 250 से ज्यादा दिन तक बिना किसी पोर्ट पर रुके समुद्र में चल रहा है। इस पर करीब 5,000 अमेरिकी मरीन तैनात हैं। 3 महीने पहले लौटना था लेकिन मिशन बढ़ा-जहाज 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो से रवाना हुआ था। इसे पहले प्रशांत क्षेत्र में जाना था, लेकिन इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद इसे पश्चिम एशिया भेज दिया गया। इस तैनाती को पहले मई में खत्म होना था, लेकिन इसे कई बार आगे बढ़ाया गया। लगातार बढ़ती तैनाती और लंबे समय तक समुद्र में रहने का असर जहाज पर तैनात लोगों की मानसिक और शारीरिक हालत पर पड़ रहा है। वॉरशिप पर खाने में सिर्फ आधा कप चावल मिल रहा-मानसिक तनाव के साथ-साथ जहाज पर रहने की खराब होती

सुविधाओं को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। कैलिफोर्निया के सांसद माइक लेविन ने एक्स पर लिखा कि जहाज पर तैनात नौसैनिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके मुताबिक-जहाज पर शावर में फफूंद लगी है और कई टॉयलेट खराब हैं। लॉन्ड्री की सुविधा कई हफ्तों तक बंद रही। लंबे समय तक गर्म पानी भी नहीं मिला।एक समय खाने में सिर्फ आधा कप चावल दिए गए। साबुन, डियोडरेंट और टूथपेस्ट जैसी जरूरी चीजों की भी कमी रही। रक्षा मंत्री बोले-जहाज में सब सही, फेक न्यूज फैलाई-खराब हालात से जुड़ी रिपोर्टों को अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वॉरशिप पर ऐसी कोई परेशानियां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोग बस फेक न्यूज फैला रहे हैं। इसके जवाब में माइक लेविन ने रक्षा मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये सैनिक अपने देश की सेवा करने के लिए सेना में शामिल हुए हैं। देश को कम से कम उन्हें गर्म पानी, काम करने वाला टॉयलेट और अच्छा खाना तो देना ही चाहिए। लेविन ने आरोप लगाया कि हेगसेथ ये बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दे पा रहे हैं और इसके बावजूद परिवारों के सामने खड़े होकर उन्हें झूठा कह रहे हैं। नौसैनिक ने पत्नी को मैजेस किया- अगली सुबह आंख न खुले-इससे पहले सैन डिएगो में करीब 200 परिवारों ने एक टाउन हॉल में कार्यवाहक नौसेना सेक्रेटरी हंग काओ के सामने अपनी चिंताएं रखीं। रिपोर्ट के मुताबिक, परिवारों ने बताया कि लंबे मिशन का उनके रिश्तेदारों पर गंभीर असर पड़ रहा है। एक महिला ने हंग काओ को बताया कि उसके पति ने उसे मैसेज किया था कि वह उम्मीद करता है कि अगली सुबह उसकी आंख न खुले। एक अन्य परिवार के सदस्य ने नौसेना के नेतृत्व पर भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में 10-10 घंटे बिजली कट रही,बाज़ार 8बजे बाजार बंद करने के आदेश,भारत से डीजल सप्लाई बढ़ाने की मांग

ढाका। बांग्लादेश में बिजली संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में रोज 8 से 10 घंटे तक बिजली कट रही है। इसका सबसे ज्यादा असर राजधानी ढाका के बाहर ग्रामीण इलाकों में देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी और हीटवेव ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। बिजली की कमी से निपटने के लिए सरकार ने बुधवार से देशभर में शॉपिंग मॉल, बाजार और दुकानों को रात 8 बजे तक बंद करने का आदेश दिया है। बिजली संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश ने अब भारत से अतिरिक्त डीजल देने की मांग की है। गैस की कमी से 1,500 मेगावाट बिजली कम बनी-बांग्लादेश में बिजली संकट की सबसे बड़ी वजह

ईंधन की कमी है। खासकर प्राकृतिक गैस की कमी ने बिजली उत्पादन को प्रभावित किया है। बांग्लादेश अपने इस्तेमाल का 90फीसदी से ज्यादा तेल और करीब 30फीसदी गैस दूसरे देशों से खरीदता है। मौजूदा संकट के पीछे दो बड़ी वजहें- पहली वजह-अमेरिकी कंपनी एक्सेलरेट एनर्जी के एलएनजी टर्मिनल में 21 जुलाई को आग लग गई। इसके बाद टर्मिनल बंद हो गया था। इस हफ्ते की शुरुआत में यहां कुछ काम दोबारा शुरू हुआ, लेकिन तब तक एलएनजी की सप्लाई आधी रह गई थी। दूसरी वजह- समुद्र में खराब मौसम की वजह से कम से कम दो एलएनजी जहाज टर्मिनल तक नहीं पहुंच पाए और अपना माल नहीं उतार सके। दूसरे देशों से आने वाली बिजली की सप्लाई भी कम हुई है।ढाका। इन वजहों से बांग्लादेश में बिजली उत्पादन करीब 1,500 मेगावाट घट गया है।

ट्रम्प ने ड्रोन इंपोर्ट पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाया,राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, सबसे ज्यादा नुकसान चीनी कंपनियों को

वॉशिंगटन। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अनमैन्ड ड्रोन और उनके कंपोनेंट्स के आयात यानी इंपोर्ट पर 100फीसदी तक का टैरिफ लगाने का ऐलान किया। अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों और चीनी कंपनियों के वर्चस्व वाले इस सेक्टर में दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस फैसले से अमरीका में ड्रोन और उनके कंपोनेंट्स का घरेलू प्रोडक्शन बढ़ेगा और विदेशी सप्लाई चेन पर निर्भरता कम होगी। पिछले साल तक अमेरीकी कॉमर्शियल ड्रोन बाजार में चीनी कंपनी की लगभग 70फीसदी हिस्सेदारी थी। ड्रोन के वजन और क्षमता के हिसाब से टैरिफ तय हुआ-व्हाइट हाउस के मुताबिक, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले ड्रोन पर 100फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आधुनिक समाचार हेडक्वाटर से आधुनिक समाचार की टीम की तरफ से आप सभी को 15 अगस्त 2026 के 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए देश के अमर शहीदों के बलिदान को याद करें और एक मजबूत, एकजुट तथा विकसित भारत बनाने का संकल्प लें।

कृषक सेवा

पचूगंज रोड (पेट्रोल पम्प के पास) राबर्ट्सगंज-सोनभद्र Mo:- 9450317746

आप सभी को 15 अगस्त 2026 के 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए देश के अमर शहीदों के बलिदान को याद करें और एक मज़बूत, एकजुट तथा विकसित भारत बनाने का संकल्प लें।

नाजरेथ हॉस्पिटल, प्रयागराज में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क। प्रयागराज। नाजरेथ हॉस्पिटल,

प्रयागराज में भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को देशभक्ति के उत्साह और राष्ट्र की स्वतंत्रता के प्रति गहरी कृतज्ञता के साथ मनाया गया । इस अवसर पर हॉस्पिटल प्रशासन, चिकित्सक, नर्सिंग एवं अन्य कर्मचारी, नाजरेथ

हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राएँ तथा शुभचिंतक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्सिंग स्कूल की क्वायर द्वारा प्रार्थना गीत से हुआ, जिसमें राष्ट्र और देश की सेवा में समर्पित सभी लोगों पर ईश्वर का आशीर्वाद माँगा गया। इसके पश्चात नाजरेथ हॉस्पिटल के सहायक निदेशक, रेव. फादर चिन्नप्पा ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थित जनों का हार्दिक स्वागत किया। नाजरेथ हॉस्पिटल के प्रशासक, रेव. फादर इसिडोर डी'सूज़ा ने मुख्य अतिथि श्री अंकित कुमार वर्मा, एसडीएम सदर, प्रयागराज का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान एवं स्वागत किया । तदुपरांत गायन मण्डली ने मधुर स्वर से 'वंदे मातरम्' गीत गाया। समारोह का मुख्य आकर्षण ध्वजारोहण समारोह रहा, जिसमें मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तिरंगा शान से लहराते ही उपस्थित सभी लोगों ने सम्मान और गर्व के साथ राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को स्मरण किया तथा स्वतंत्रता, एकता और लोकतंत्र के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने संबोधन में श्री अंकित कुमार वर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर

प्रकाश डालते हुए प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों की याद दिलाई। उन्होंने प्रयागराज की जनता के प्रति नाजरेथ हॉस्पिटल द्वारा दी जा रही समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की तथा स्वास्थ्यकर्मियों और नर्सिंग छात्राओं को करुणा, समर्पण और ईमानदारी के साथ समाज की सेवा करते रहने के लिए प्रेरित किया। फादर विपिन डि सोज़ा व डॉ. अशोक अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को सम्मान एवं स्मृति

के रूप में फूलदानों व स्मृति-चिह्न भेंट किया।कार्यक्रम के अंत में नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग की ट्यूटर, सुश्री अन्ना मेरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, हॉस्पिटल प्रशासन, चिकित्सकों, कर्मचारियों और छात्राओं के प्रति उनकी सहभागिता एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह में मैट्रन रेव. सिस्टर प्रीमा, प्रिंसिपल सिस्टर अल्वीना, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. आर.पी. शुक्ला, डॉ. एस.बी. सिंह, डॉ. रिंकू चोंगदार, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव सहित अन्य चिकित्सक एवं नर्सिंग फैकल्टी उपस्थित रहे।

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महर्षि यूनिवर्सिटी में दिखा अद्भुत देशप्रेम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। 80वें स्वतंत्रता दिवस की

पूर्व संध्या पर महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के नोएडा कैंपस में देशभक्ति से जुड़ी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए आजादी के जश्न को खास बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। किसी ने देशभक्ति गीतों से माहौल को जोश से भर दिया, तो किसी ने तबले और बांसुरी की मधुर धुनों से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देश के प्रति प्रेम और भारतीय संस्कृति की झलक साफ दिखाई दी। पूरे कार्यक्रम के दौरान परिसर में उत्साह और देशभक्ति का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। युवाओं को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का इस्तेमाल देश के विकास और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने भारतीय संस्कृति और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने पर भी जोर दिया। इस मौके पर विशाल

लाठर, विनीत माथुर और अखिलेश मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय की डीन अकादमिक तृप्ति अग्रवाल, डिप्टी डीन अकादमिक, विभिन्न विभागों के डीन व डिप्टी डीन, फैकल्टी सदस्य और स्टाफ भी कार्यक्रम में शामिल हुए। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए यादगार रहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विद्यार्थियों ने आजादी के महत्व, भारतीय संस्कृति और देश के प्रति अपने प्रेम को भी सामने रखा। कार्यक्रम ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

(आधुनिक समाचार नेटनेटवर्क) प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस मुख्य अतिथि के रूप में श्री महेंद्र अरोड़ा जी रहें जिन्होंने ध्वजारोहण किया और लोगों में मिठाइयां वितरित की गयी।

स्वतंत्रता दिवस पर धर्मेश घई ने दी जिलेवासियों को शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी मैहर के अध्यक्ष धर्मेश घई ने जिले

के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। धर्मेश घई ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने जिलेवासियों से देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने के साथ राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। हम सभी को मिलकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने समस्त मैहर जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

आबकारी विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल, निजी व्यक्तियों को साथ लेकर फर्जी कार्यवाही करने पहुंचने का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मैहर में आबकारी विभाग की एक कथित कार्रवाई को लेकर

अब विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं आरोप है कि आबकारी विभाग के अधिकारी विजय सिंह बघेल कई निजी व्यक्तियों को साथ लेकर एक ढाबे पर कार्रवाई करने पहुंचे। मौके पर कथित तौर पर कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिलने के बावजूद मामला दर्ज करने की तैयारी किए जाने की बात सामने आई ढाबा संचालक और ग्रामीणों ने कार्रवाई का विरोध किया, जिसके बाद आबकारी अमला मौके से वापस लौट गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर निजी व्यक्तियों को साथ लेकर आबकारी विभाग के अधिकारी किसके दबाओ में आकर कार्यवाही करने पहुंचे थे और जब मौके पर कुछ नहीं मिला तो कथित रूप से मुकदमा दर्ज करने की तैयारी क्यों की जा रही थी वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर तिलोरा में कथित रूप से अवैध शराब की बिक्री लंबे समय से संचालित हो रही है, लेकिन वहां आबकारी विभाग की कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। कार्यवाही करने आए निजी व्यक्ति बिना नंबर के वाहनों पर आए थे व अपने साथ अपने ही गाड़ी में अवैध शराब लेकर आए थे ताकि पकड़े गए व्यक्ति को फंसाया जा सके। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद धार्मिक नगरी मैहर के 24 वार्डों में खुलेआम शराब बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं ग्रामीणों का सवाल है कि यदि आबकारी विभाग अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने का दावा करता है, तो खुलेआम संचालित होने वाली कथित अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही?

वहीं दूसरी ओर ऐसे स्थानों पर कार्रवाई को लेकर सवाल क्यों उठ रहे हैं, जहां ग्रामीणों के अनुसार कोई अवैध शराब नहीं मिली? पूरे मामले में आबकारी अधिकारी विजय सिंह बघेल की भूमिका और कार्रवाई के आधार की जांच की मांग उठ रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग को निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि मौके पर निजी व्यक्तियों को किस हैसियत से साथ ले जाया गया और कथित मुकदमा दर्ज करने की तैयारी किस आधार पर की जा रही थी।

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने दिलाई मैहर को बड़ी सौगात,5 करोड़ 73 लाख रुपए शाला भवनों के निर्माण के लिए स्वीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर । मैहर विधायक श्री प्रताप सिंह से मिलकर क्षेत्र की शालाओं के नवीन भवनों के एवं

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने दिलाई मैहर को बड़ी सौगात। 5 करोड़ 73 लाख रुपए शाला भवनों के निर्माण के लिए स्वीकृत।

श्रीकांत चतुर्वेदी ने मप्र के स्कूल शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर मैहर क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की सौगात दिलाई।विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी में बताया मैहर की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए विगत दिवस प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय अतिरिक्त कक्ष के निर्माण के लिए 5 करोड़ 73 लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराई। इसमें कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल अमदरा में 2 करोड़ 67 लाख 37 हजार रुपए से 15 अतिरिक्त कक्ष,लेब कक्ष निर्मित होंगे।

विधायक श्री चतुर्वेदी ने बताया कि 2 करोड़ 11 लाख 50 हजार रुपए की लागत से नौ प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के नवीन भवन निर्मित होंगे। इसमें प्राथमिक शाला भवन डडीयान टोला मानपुर, प्राथमिक शाला टिकर खुर्द, कन्या प्राथमिक शाला करौंदी दुबे, कन्या प्राथमिक शाला नैनिया, कन्या प्राथमिक शाला परसोखा, कन्या माध्यमिक शाला करौंदी उपाध्याय, प्राथमिक शाला अतरहरा, प्राथमिक शाला नकतरा एवं माध्यमिक शाला कुडवा शामिल है।

विधायक श्री चतुर्वेदी ने बताया कि मैहर विधानसभा क्षेत्र की तीन हाई सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण के लिए 94 लाख रुपए स्वीकृत कराए गए।इसमें कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल अजवाइन में दो अतिरिक्त कक्ष, कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल धतूरा में दो अतिरिक्त कक्ष एवं कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल झुकेही में दो अतिरिक्त शामिल है।

विधायक श्री चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक निर्णय से मैहर क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को नहीं मजबूती मिलेगी और हजारों छात्रों का बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध होगी।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह जी का मैहर क्षेत्र की जनता जनार्दन की ओर से आभार व्यक्त किया।

1000 किलो सोने-चांदी के सिंहासन पर विराजे बांके बिहारा

मथुरा। मथुरा में शनिवार को हरियाली तीज पर भक्तों की भीड़ है। वृंदावन में भगवान बांके बिहारी 10

किलो सोने और 1000 किलो चांदी से बने झूले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। उन्हें हरे रंग की बेशकीमती जड़ाऊ पोशाक और रत्नजड़ित सोने के आभूषण पहनाए गए हैं। प्रशासन का अनुमान है कि आज दिनभर 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु मथुरा आ सकते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बांके बिहारी मंदिर से 3 किलोमीटर पहले ही गाड़ियां रोकी जा रही हैं।वहां से ई-रिक्शा और ई-कार्ट की व्यवस्था की गई है। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने से बहुत लोगों को तीन किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर पहुंचना पड़ रहा है। शाम को दक्षिण भारतीय शैली के रंगनाथ मंदिर में भगवान गोदा रंगमन्नार चांदी के झूले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। बांके बिहारी मंदिर में हरियाली तीज पर साल में एक बार झूला डाला जाता है।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत निकाली गई भव्य तिरंगा बाइक रैली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 'हर घर तिरंगा

अभियान' के देशव्यापी आह्वान के क्रम में आज 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज में एक भव्य जन जागरूकता तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सेनानायक (द.इ.ए.) श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति एवं कुशल नेतृत्व में वाहिनी के जवानों द्वारा पूरी ऊर्जा और देशभक्ति के उत्साह के साथ निकाली गई।हाथों में राष्ट्रध्वज थामे पीएसी के जवानों की बाइक रैली वाहिनी परिसर से प्रारंभ होकर आस-पास के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली ने क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और स्थानीय बाजार क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान जवानों ने स्थानीय नागरिकों को अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर ससम्मान तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की आन-बान और शान का प्रतीक है।इस अभियान का उद्देश्य हर नागरिक के दिल में देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करना है।इस राष्ट्रव्यापी अभियान और रैली को सफल बनाने में वाहिनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने अग्रिम भूमिका निभाई।

रैली में मुख्य रूप से सहायक सेनानायक प्रथम श्री देव नारायण यादव, सहायक सेनानायक द्वितीय श्री सियाराम, शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह, सहायक शिविरपाल श्री हरदास और सूबेदार मेजर श्री सुधांशु कुमार सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण भारी संख्या में उपस्थित रहे। पूरी रैली के दौरान देशभक्ति के नारों से माहौल गुंजायमान रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों ने उकेरी देशभक्ति की भावनाएं,आकर्षक पोस्टरों में दिखाया स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान

डीएम सरनीत कौर ब्रोका की पहल पर छात्रों ने तैयार किए देशभक्ति से ओत-प्रोत पोस्टर,शहीद स्मारक पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की आर्ट गैलरी में प्रदर्शित किए जाएंगे विद्यार्थियों के पोस्टर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों

की श्रृंखला में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को देशभक्ति की भावना से जोड़ने की अनूठी पहल की गई। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की पहल पर शहर के राजकीय इंटर कॉलेज के मल्टीपरपज हॉल में लगभग पाँच दर्जन छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति एवं स्वतंत्रता संग्राम की थीम पर आकर्षक पोस्टर तैयार किए। पोस्टर निर्माण के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से देश के स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान एवं उनके योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। पोस्टरों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, एकता, अखंडता तथा स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष को विभिन्न रंगों और कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से उकेरा। इस अवसर पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों, महापुरुषों एवं वीर स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को केंद्र में रखते हुए संदेशपरक एवं आकर्षक पोस्टर तैयार किए। इसके माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि देश की आजादी असंख्य वीरों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है तथा आने वाली पीढ़ियों का दायित्व है कि वे उनके आदर्शों एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को आगे बढ़ाएं। जिलाधिकारी की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से जोड़ने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। पोस्टर निर्माण जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला, वहीं उनमें राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहन मिला। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को शहीद स्मारक पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में तैयार की गई विशेष आर्ट गैलरी में इन पोस्टरों को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए इन रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी भावनाओं को देखने एवं समझने का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन की इस पहल से विद्यार्थियों में न केवल अपनी कला प्रतिभा को प्रदर्शित करने का उत्साह बढ़ा, बल्कि स्वतंत्रता दिवस के महत्व, देश के वीर सपूतों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने की भावना भी मजबूत हुई। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए ये पोस्टर स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभक्ति, रचनात्मकता और युवा प्रतिभा के सुंदर संगम के रूप में आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सामुदायिक केन्द्र रतापुर में लगाई गई अभिलेख प्रदर्शनी

मा0 उद्यान मंत्री, मा0 विधायक सलोन व अधिकारियों द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर सामुदायिक केन्द्र, रतापुर में विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ उपस्थित रहे। विभाजन विभीषिका की त्रासदी के दौरान प्राणोत्सर्ग करने वाले लोगों की याद में 02 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी। मा0 उद्यानमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज हम सभी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। यह दिवस केवल इतिहास के एक दुखद अध्याय को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उन लाखों निर्दोष लोगों के संघर्ष, पीड़ा, त्याग और बलिदान को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने वर्ष 1947 में देश के विभाजन की त्रासदी को झेला। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय लाखों परिवारों को अपने घर, खेत, कारोबार और अपनी जन्मभूमि छोड़ने के लिए विवश होना पड़ा। असंख्य लोगों ने अपनों को खोया और अनगिनत परिवारों ने विस्थापन का दंश सहा। यह पीड़ा हमारी सामूहिक स्मृति का हिस्सा है। आज हम उन सभी ज्ञात-अज्ञात पीड़ितों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। हम उन सभी विभाजन पीड़ितों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने अपार कष्ट सहते हुए भी जीवन को नए सिरे से आगे बढ़ाया और राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया। इससे पूर्व मा0 विधायक सलोन ने अपने सम्बोधन में कहा कि गतवर्ष की भांति अपनी मातृभूमि के उन परिवारों को नमन करते हुए जिन्हें भारत के विभाजन के दौरान अपने परिवारजन के प्राण न्यौछावर करने पड़े ऐसे लोगों की स्मृति में विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नही था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी, ऐसे समय पर देश का दो टुकड़ों में बंट जाने का दर्द लाखों परिवारों में एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमे न सिर्फ भेद-भाव वैमनस्य एवं दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलाएगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को भ्रमण कराकर प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द्र राय द्वारा किया गया। इस मौके पर उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण महिपाल सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष गौतम, क्रीडाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरूषोत्तम सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकगण व बच्चें उपस्थित रहे।

आधुनिक समाचार मुख्यालय में 80वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी द्वारा ध्वजारोहणकर कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आधुनिक समाचार मुख्यालय में 80वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनसंपर्क

मुख्यालय में दिनांक 15 अगस्त 2026 को आधुनिक समाचार अधिकारी आधुनिक समाचार द्वारा ध्वजारोहणकर कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई तथा उपस्थित समस्त मीडिया कर्मियों प्रबंधक सर्व श्री अजय गुप्ता, अजय नाथ गोस्वामी सहायक लेखा प्रबंधक, असीम मित्रा वरिष्ठ पत्रकार व समाचार पत्र प्रभारी, ऋषभ आनंद सोशल मीडिया प्रभारी, विधि प्रकाश लेखा प्रभारी, अजीत द्विवेदी (ईआरपी सहायक) अदनान (उपस्थित सहायक) आशुतोष कुमार (कार्यालय सहायक) अंकित यादव (संपत्ति सहायक) दुर्गेश कुमार (सुरक्षा प्रभारी) रिया अरोड़ा अधिवक्ता इंडियन सिक्योरिटी एवं समस्त कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी तथा मिष्ठान वितरण किया।

राना बेनी माधव बक्श सिंह की स्मृति में निर्मित सभागार एवं पुस्तकालय के संचालन की कार्ययोजना के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में राना बेनी माधव बक्श सिंह की स्मृति में निर्मित सभागार एवं पुस्तकालय के सुचारु संचालन हेतु गठित समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सभागार एवं पुस्तकालय को जनोपयोगी एवं प्रभावी ढंग से संचालित किए जाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में जिलाधिकारी ने सभागार एवं पुस्तकालय के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता एवं जिम्मेदारियों के निर्धारण, संचालन के लिए वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधनों की व्यवस्था, भवन एवं उपलब्ध सुविधाओं की अधिकतम उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना, नियमित रख-रखाव एवं व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की व उपजिलाधिकारी सदर की अध्यक्षता में एक उप समिति का गठन किए जाने के निर्देश दिए, उप समिति द्वारा सभी बिंदुओं पर गहनता से अध्ययन करते हुवे समिति की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि राना बेनी माधव बक्श सिंह की स्मृति से जुड़ा यह सभागार एवं पुस्तकालय जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ-साथ विद्यार्थियों, युवाओं, साहित्यप्रेमियों एवं आमजन के लिए उपयोगी मंच के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि संचालन की ऐसी प्रभावी व्यवस्था तैयार की जाए, जिससे भवन एवं पुस्तकालय का अधिकतम और निरंतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभागार एवं पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के साथ ही साफ-सफाई, रख-रखाव, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए। साथ ही संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन एवं वित्तीय प्रबंधन की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।बैठक में सभागार एवं पुस्तकालय के लोकार्पण से सम्बन्धित तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लोकार्पण से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं, ताकि परिसर को बेहतर सुविधाओं के साथ आमजन के लिए उपयोगी बनाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी पीयूष चन्द्र राय, राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित समिति के संबंधित प्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक सम्पन्न,मानव संसाधन, वित्तीय प्रबंधन एवं रख-रखाव सहित लोकार्पण की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आईटीआई कैंपस में एनसीसी द्वारा किया गया कार्यक्रम का आयोजन

डीएम व एसपी ने खेलकूद एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। "वंदे मातरम के 150 साल" और "विकसित भारत/ 2047 के लिए युवा शक्ति" की राष्ट्रीय थीम के तहत, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बटालियन हेडक्वार्टर आईटीआई कैंपस में 66 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान खेलकूद एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर लखनऊ के ग्रुप

कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स की अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति की भावना तथा खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। जिलाधिकारी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सम्मानित कैडेट्स को भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत और लगन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी कैडेट्स के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि युवा देश की शक्ति हैं। एनसीसी के माध्यम से उनमें जिम्मेदारी, अनुशासन और समाज एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध की भावना मजबूत होती है। उन्होंने सभी कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आईटीआई रायबरेली के जनरल मैनेजर हरथीश, 66 यूपी बटालियन रायबरेली के कमान अधिकारी कर्नल उदय भानु, जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह सहित संबंधित अधिकारी, एनसीसी से जुड़े पदाधिकारी एवं कैडेट्स उपस्थित रहे।

चित्रकूट में मंदाकिनी उफनाई, घाट-पुल डूबे

चित्रकूट। यूपी में बारिश की वजह से नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना, शारदा समेत 11 नदियां चेतावनी बिंदु को पार कर गईं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। रामघाट की सभी सीढ़ियां डूब गई हैं। नदी के बगल में बने आरोग्यधाम पुल के ऊपर से मंदाकिनी का पानी बह रहा है। प्रशासन लाउडस्पीकर से अनाउंस कर लोगों से नदी के किनारे न जाने की अपील कर रहा है। उन्नाव में गंगा का पानी घरों में घुस गया है। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। शुक्रवार को उच्च शिक्षा राज्यमंत्री और जिले की प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी स्टीमर से बाढ़ग्रस्त इलाकों में पहुंचीं। वाराणसी में घाट किनारे बने 100 से अधिक छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। हरिश्चंद्र घाट का शवदाह स्थल डूब गया।

कृषि ऋण शिविर में 30 किसानों को 1करोड़ रुपये का ऋण वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केनरा बैंक की राबर्ट्सगंज शाखा में शुक्रवार को जनपद के राबर्ट्सगंज शाखा सहित अन्य 9 शाखाओं द्वारा वृहद कृषि ऋण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के किसानों को बैंक की विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही 30 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से कुल 1 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 15 किसानों को पौधे देकर सम्मानित भी किया गया। किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित बैंक की योजनाओं, ऋण सुविधाओं और उनके लाभ की जानकारी दी गई। केनरा बैंक के अंचल कार्यालय लखनऊ से आए सहायक महाप्रबंधक शिव प्रसाद यादव ने किसानों को बैंक की कृषि योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने किसानों से बैंक की योजनाओं का लाभ उठाकर कृषि गतिविधियों को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में केनरा बैंक वाराणसी के क्षेत्रीय कार्यालय के मंडल प्रबंधक अभिषेक कुमार गुप्ता,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के एम जी रवि, उद्यान निरीक्षक रविंद्र कुमार सिंह, राबर्ट्सगंज के शाखा प्रबन्धक विश्वदीप मिश्रा, संतोष कुमार, बृजेश कुमार,धर्मवीर सिंह, जितेंद्र कुमार,एडवर्ड तिर्की के साथ बैंक मित्र शक्ति पाल के अन्य शाखा के प्रबंधक मौजूद रहे। शिविर में किसानों ने बैंक अधिकारियों से कृषि ऋण एवं अन्य बैंकिंग योजनाओं से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की।अधिकारियों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए पात्र किसानों को बैंक की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

कंपनी राज के विरोध में नौजवानों का हुंकार, बृहद रक्तदान कर जल-जंगल-जमीन बचाने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नौजवान किसान संघर्ष मोर्चा के बैनर तले गुरुवार को कंपनी राज के विरोध में बृहद रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सरकार से जनपद के जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने की मांग करते हुए कहा कि विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि '1858 में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ देशवासियों ने संघर्ष किया था क्योंकि भारत कंपनी राज को स्वीकार नहीं करता था। आज सोनभद्र में भी कंपनी राज स्थापित करने की कोशिशें दिखाई दे रही हैं। हम इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे हैं। आज हमने रक्तदान कर अपना संकल्प व्यक्त किया है, लेकिन यदि जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो सोनभद्र का नौजवान अपने प्राणों की आहुति देने से भी पीछे नहीं हटेगा। सरकार से हमारा आग्रह है कि जनपद के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तत्काल रोका जाए।' सुमन बिन्द ने कहा कि सोनभद्र की पहचान उसके जंगल, पहाड़ और यहां के मेहनतकश लोग हैं।

यदि प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ तो आने वाली पीढ़ियां इसका खामियाजा भुगतेंगी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन जनता के अधिकारों और पर्यावरण की रक्षा के लिए है। बिन्दु अगरिया ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासियों तथा ग्रामीणों के जीवन का आधार हैं।इन संसाधनों की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए हर स्तर पर लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। गुलाब चेरो ने कहा कि सोनभद्र की धरती किसी कंपनी की नहीं बल्कि यहां के लोगों की है। विकास के नाम पर स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी और संघर्ष लगातार जारी रहेगा। कन्हैयालाल धागर ने कहा कि रक्तदान कार्यक्रम केवल सेवा का कार्य नहीं बल्कि सोनभद्र की अस्मिता बचाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि नौजवान पूरी एकजुटता के साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए खड़े हैं तथा सरकार से जनहित में निर्णय लेने की मांग की।

सोनभद्र में स्वतंत्रता दिवस पर ऑफ रोड बाइक चलाकर डीएम चर्चित गौड़ ने बाइक यात्रा को किया रवाना-दिलाई शपथ

सोनभद्र। जनपद में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'ऑफ रोड बाइक सफारी तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। सोन एडवेंचर द्वारा आयोजित इस यात्रा को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बाइक चलाकर रवाना किया। इस यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना था। साथ ही, सोनभद्र की प्राकृतिक सुंदरता, दुर्गम एवं रोमांचक क्षेत्रों तथा एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को नई पहचान दिलाना भी इसका लक्ष्य था। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने इस अवसर पर कहा कि सोनभद्र प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जनपद है। यहां के पहाड़, जंगल, जलप्रपात और प्राकृतिक स्थल एडवेंचर टूरिज्म के लिए व्यापक संभावनाएं समेटे हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसी गतिविधियां जनपद के पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाकर अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेंगी। गौड़ ने आगे कहा कि पर्यटन और साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

बड़े पर्दे पर वीरता की गाथा देख भावविभोर हुए बच्चे, गूंजा 'राष्ट्र प्रथम' का भाव

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन की प्रेरक पहल–'बॉर्डर-2' के जरिए बच्चों ने जाना वीर जवानों का शौर्य, त्याग और समर्पण,स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना हुई और प्रगाढ़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 'हर घर तिरंगा अभियान' को राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा एक प्रेरणादायी पहल की गई। अटल आवासीय विद्यालय, सर्वोदय बालिका विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के छात्र-छात्राओं को देशभक्ति पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर-2' दिखाई गई। बड़े पर्दे पर देश की सीमाओं की रक्षा में डटे वीर जवानों के साहस, शौर्य, त्याग और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण को देखकर बच्चे भावविभोर हुए। फिल्म के प्रेरक प्रसंगों ने विद्यार्थियों को सैनिकों के संघर्ष और बलिदान से परिचित कराने के साथ उनके मन में देश एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। चेहरों पर उत्साह, दिलों में देशभक्ति-फिल्म के दौरान और उसके बाद बच्चों में देशभक्ति का उत्साह साफ दिखाई दिया। वीर सैनिकों की राष्ट्रनिष्ठा से प्रेरित विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता और सम्मान को सदैव सर्वोपरि रखने का संदेश ग्रहण किया। विद्यार्थियों को बताया गया कि देशभक्ति केवल

सीमाओं पर राष्ट्र की रक्षा तक सीमित नहीं है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन, राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा, तिरंगे का सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारियों का पालन और देश की प्रगति में योगदान देना भी सच्ची देशभक्ति है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित यह पहल बच्चों के लिए केवल फिल्म देखने का अवसर नहीं, बल्कि वीर जवानों के शौर्य को जानने, उनके बलिदान से प्रेरणा लेने और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आत्मसात करने का प्रेरक अनुभव बनी। वीरों के शौर्य से प्रेरणा, तिरंगे के प्रति सम्मान और मन में 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प–यही इस विशेष पहल का संदेश रहा।

स्वच्छ 2026.....
सर्वेक्षण ....

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

आजादी का अमृत महोत्सव का ८०वां (80वाँ)

मा. विधायक घोरावल सोनभद्र–अनिल मौर्या

मा. विधायक रॉबर्ट्सगंज सदर–भूपेश चौबे

श्री अरविन्द कुमार शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री
उत्तर प्रदेश

15 अगस्त, 2026 के पावन अवसर पर आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र की तरफ से समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनायें

आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र नगरवासियों से निम्न अपेक्षायें करता है-

1. यह नगर आपका है, इसे साफ-सुथरा एवं स्वच्छ बनाये रखने में अपना सहयोग प्रदान करें
2. प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग कदापि न करें और न ही किसी को करने दें। दैनिक प्रयोग से पॉलिथीन को दूर हटायें।
3. सफाई मित्र कर्मियों द्वारा कूड़ा उठाने के उपरान्त अपने मकान/दुकान / प्रतिष्ठान से निकला कूड़ा बाहर न फेंकें।
4. घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग करके डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन में ही दें।
5. खुले में पेशाब व शौच कदापि न करें।
6. 'सार्वजनिक भूमि, सड़कों, पटरियों एवं नालियों आदि पर अतिक्रमण न करें।
7. अपने पालतू जानवरों (गाय व अन्य) को सड़क पर खुला न छोड़े।
8. मार्ग प्रकाश के उपकरणों को क्षति न पहुंचाये।
9. नगरवासी वृक्षारोपण कर नगर को प्रदूषण मुक्त करने में सहयोग करें।
10. जन्म-मृत्यु का पंजीयन 21 दिन के अन्दर करायें।
11. नगरवासी अपना बकाया गृहकर/जलमूल्य का भुगतान करके नगर के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।
12. स्वच्छ सर्वेक्षण- 2025-26 में अपना सक्रिय योगदान स्वच्छता एप का प्रयोग करके इस निकाय को प्रथम स्थान दिलाने में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।
13. सीवर सेप्टिंग टैंक की सफाई हेतु हेल्प लाइन नम्बर-14420 (टोल फ्री) पर कॉल करे।
14. आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र से सम्बन्धित शिकायतों हेतु हेल्प लाइन नम्बर 1533 (टोल फ्री) पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करायें।

यह नगर आपका है, इसे स्वच्छ, सुन्दर, कूड़ा मुक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना सहयोग करें।

समस्त सभासदगण,
नगर पालिका परिषद,
सोनभद्र

रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद् सोनभद्र

स्पोर्ट्स

भारत आज खेलेगा 600वां टेस्ट,गिल बोले- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए 7 टेस्ट जीतने होंगे, श्रीलंका में स्पिन सबसे बड़ी चुनौती

स्पोर्ट डेस्क। भारत 15 अगस्त से अपना 600वां टेस्ट मैच खेलेगा। यह मैच श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में सुबह 10 बजे से

खेला जाएगा।अगर इंडिया इस मुकाबले को जीत लेता है, तो सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज की बराबरी कर लेगा। इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ 48फीसदी मैच जीते:-भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 46 मैच खेले हैं। इनमें से 22 में जीत मिली है, जोकि 48फीसदी है। 7 में हार झेलनी पड़ी है। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंकाई पिचों में भारत की जीत का रिकॉर्ड 38फीसदी है। टीम ने श्रीलंकाई में 24 मैच खेले हैं। उसे 9 में जीत और 7 में हार मिली है। 8 मैच ड्रॉ रहे हैं। क्या चैलेंज होंगे? भारतीय बैटर्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज स्पिन ट्रैक पर बल्लेबाजी होगा। उसने ग्रासी पिच पर वॉर्मअप मैच खेला है, जबकि गॉल की पिच स्पिन फ्रेंडली बताई जा रही है। भारतीय बल्लेबाज 2021 के बाद से स्पिनर्स के खिलाफ स्ट्रगल कर रहे हैं। टीम चोटों से जूझ रही है। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन और हर्षित राणा जैसे रेग्युलर प्लेयर्स चोटिल हैं। सारांश जैन और गुरनूर बरार जैसे नए प्लेयर्स को मौका मिला है। कप्तान शुभमन गिल सहित 12 खिलाड़ियों ने श्रीलंका में एक भी टेस्ट नहीं खेला है। केवल 4 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनके पास श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है। किन प्लेयर्स पर नजरें-सरफराज खानः 2 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। चेतेश्वर पुजारा के बाद नंबर-3 का बल्लेबाज अब तक नहीं मिला है। ऐसे में सरफराज के प्रदर्शन पर नजरें होंगी। मोहम्मद सिराजः चोटिल बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में सिराज पेस बॉलिंग अटैक को हालांकि, सुंदर टीम के रेग्युलर मेंबर हैं। गॉल में 68फीसदी विकेट स्पिनर्स ने झटके-गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच ट्रेडिशनली स्पिन गेंदबाजों की मददगार पिच मानी जाती है। इस मैदान पर 49 मैच खेले गए हैं। इनमें 68फीसदी विकेट स्पिनर्स के नाम रहे हैं। 26 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं, जबकि 16 मैच पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। मैच के पांचों दिन बारिश का खतरा- गॉल टेस्ट में मौसम भी चुनौती बन सकता है। पूर्वानुमान के मुताबिक मैच के पांचों दिन बारिश की संभावना है। पहले दिन बारिश की संभावना 82फीसदी बताई गई है गिल बोले- 600वें टेस्ट में कप्तानी करना सम्मान की बात कप्तान शुभमन गिल ने मैच से पहले कहा- '600वें टेस्ट में टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में वापसी के लिए भारत को करीब 6-7 टेस्ट जीतने की जरूरत है।' गिल ने कहा- प्लेयर्स के लिए अलग-अलग परिस्थितियों में तुरंत ढलना आसान नहीं होता। टेस्ट सीरीज से पहले एक सप्ताह से 10 दिन की तैयारी मिलना काफी मददगार होता है।' पॉसिबल प्लेइंग-11-यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, सरांश जैन/मानव सुथार, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज। कहां देख सकते हैं? मैच का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स पर होगा। इसे सोनी लीव पर भी देखा जा सकता है। इसके अलावा, दैनिक भास्कर एप पर मैच का कवरेज होगा। इसे आप फॉलो कर सकते हैं।

सिलिकॉन वैली का नया जुनून- भ्रूण स्क्रीनिंग से 'स्मार्ट' बच्चे,अमेरिकी स्टार्टअप्स के मुताबिक जन्म से पहले पता चलेगी बच्चे की आईक्यू और लंबाई

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की सबवे (मेट्रो) ट्रेनों में हाल ही में लगे कुछ विज्ञापनों ने यात्रियों को

चौंका दिया। एक पोस्टर पर लिखा था... 'अपना सबसे बेहतरीन बेबी हासिल करें' तो दूसरे पर कुछ इस तरह की लाइनें दिखीं-'आईक्यू (बुद्धिमत्ता का पैमाना) 50फीसदी आनुवंशिक होता है।' ये विवादित विज्ञापन किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के नहीं, बल्कि सिलिकॉन वैली के एक नए और उभरते स्टार्टअप 'न्यूक्लियस' के हैं। ऑर्किड' व 'हेरासाइट' जैसी कई कंपनियां इस होड़ में शामिल हैं। सभी का उद्देश्य एक ही है- एंब्रियो स्क्रीनिंग टेक्नोलॉजी के जरिए इंसानों को पैदा करने का तरीका हमेशा के लिए बदल देना। अब तक आईवीएफ में भ्रूण की जांच पीजीटी-ए और पीजीटी-एम तकनीकों के जरिए मुख्य रूप से गंभीर आनुवंशिक बीमारियों और क्रोमोसोम संबंधी गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए की जाती थी। अब कंपनियां नई तकनीक पीजीटी-पी (पॉलीजेनिक स्क्रीनिंग) पेश कर रही हैं। इसके जरिए भ्रूण के डीएनए का विश्लेषण कर कैंसर, डायबिटीज और दिल से जुड़ी बीमारियों के संभावित जोखिम का अनुमान लगाया जाता है। इतना ही नहीं, करीब 40 लाख रुपए खर्च कर बच्चे की संभावित लंबाई, आईक्यू, उम्र तथा आंखों और बालों के रंग संबंधी अनुमानित स्कोर भी हासिल कर सकते हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में भ्रूण का लिंग चयन या रंग-रूप तथा बुद्धिमत्ता के आधार पर स्क्रीनिंग गैरकानूनी है। अमेरिका में सख्ती नहीं है, फिर भी इस तकनीक को लेकर बहस छिड़ गई है। आलोचकों का तर्क है कि यह मनचाहे गुणों वाले इंसान बनाने की दिशा में कदम है, जिससे अमीर-गरीब परिवारों के बच्चों के बीच जेनेटिक असमानता बढ़ सकती है। इसके अलावा जो बच्चा लाखों रुपए खर्च करके 'ऊंचे आईक्यू' व 'खास गुणों' के साथ पैदा होगा, उस पर पैरेंट्स और समाज का भारी दबाव होगा। यदि वह पढ़ाई में सामान्य निकला, तो उसका मानसिक तनाव भयानक हो सकता है। विवादों के बावजूद पीटर थील और इलॉन मस्क जैसे निवेशकों ने फर्टिलिटी स्टार्टअप्स में करोड़ों डॉलर लगाए हैं। फिलहाल यह बाजार 3 लाख करोड़ रुपए का है। एक्सपर्ट मानते हैं अगर ऑटोमेशन बढ़ता है, तो एक दशक में यह 41 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। अनजाने में गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ सकता हैः एक्सपर्ट- ट्रिनिटी कॉलेज के जेनेटिसिस्ट केविन मिशेल और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट का मानना है कि जटिल गुणों (जैसे आईक्यू या लंबाई) का सटीक अनुमान एकल भ्रूण के लिए लगाना मुश्किल है। पर्यावरण, खान-पान व पालन-पोषण का भी बच्चे पर बड़ा असर पड़ता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के डॉ. ग्राहम कूपर कहते हैं,'हजारों जीन के जटिल ताने-बाने को देखकर किसी एक बच्चे के भविष्य का सटीक अनुमान लगाना मौसम की भविष्यवाणी जैसा है। जेनेटिक्स एक्सपर्ट मैरी वार्ड ने आगाह किया है कि सुंदरता या बुद्धिमत्ता के लिए जीन्स के चुनाव की उलझन में माता-पिता अनजाने में बच्चे में किसी अन्य गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ा सकते हैं।

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद,वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी

स्पोर्ट डेस्क। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे। एक पद से जुड़ेगा पूरा क्रिकेट सिस्टम- बीसीसीआई में अभी सीनियर टीम, चयन समिति, सीओई और एज-ग्रुप क्रिकेट अलग-अलग स्तर पर काम करते हैं। डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद इन सभी के बीच तालमेल बनाने के लिए होगा। लक्ष्मण की जिम्मेदारी टैलेंट की पहचान से लेकर उसे सीनियर टीम तक तैयार करने की प्रक्रिया देखने की होगी। वे अलग-अलग स्तर के कोच और सपोर्ट स्टाफ के काम में भी तालमेल बनाएंगे। गंभीर-अगरकर की भूमिका वही रहेगी-नई व्यवस्था में गौतम गंभीर हेड कोच और अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे। दोनों की मौजूदा जिम्मेदारियों में बदलाव नहीं होगा। 2027 वर्ल्ड कप तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर में खत्म होना है। गंभीर के टेस्ट भविष्य को लेकर भी चर्चा रही-गौतम गंभीर के कोचिंग भविष्य को लेकर भी हाल के महीनों में चर्चा हुई है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के प्रदर्शन और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) में स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज को गंभीर के रेड-बॉल क्रिकेट के भविष्य के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

जामुन खाने के फायदे और खाने का सही तरीका- इन चीजों के साथ न खाएं जामुन, बच्चों को ऐसे ही न दें

नयी दिल्ली। बरसात आते ही बाजार में जामुन की बहार आ जाती है। खट्टे-मीठे स्वाद वाला यह गहरे बैंगनी रंग का फल पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसमें फाइबर, आयरन, विटामिन सी और कई पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने, पाचन सुधारने, इम्यूनिटी मजबूत बनाने और हार्ट हेल्थ बेहतर रखने में मदद करता है। प्राचीन हिंदू, बौद्ध और जैन ग्रंथों में भारतीय उपमहाद्वीप को 'जम्बूद्वीप' कहा गया है, यानी जामुन के वृक्षों की भूमि। यानी जामुन का रिश्ता हमारी संस्कृति और इतिहास से भी है। हालांकि जामुन के फायदे तभी मिलते हैं, जब इसे सही समय, सही मात्रा और सही तरीके से खाया जाए। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे जामुन की और जानेंगे कि जामुन खाने का सही तरीका क्या है? इसे कब और कितना खाना चाहिए? किन चीजों के साथ खाने से बचना चाहिए? समझेंगे विषय को एक्सपर्ट- डॉ. अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- जामुन खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- जामुन खाने का सही तरीका पॉइंटर्स में देखिए- पके हुए, ताजे और साफ जामुन चुनें।

खाने से पहले अच्छी तरह धो लें। धीरे-धीरे चबाकर खाएं ताकि पाचन बेहतर हो। अगर पहली बार खा रहे हैं, तो कम मात्रा से शुरुआत करें। सवाल- जामुन खाने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है? जवाब- जामुन खाने का सबसे सही समय सुबह का होता है। खासकर नाश्ते के बाद या दोपहर के खाने से पहले यानी मिड-मॉर्निंग टाइम। इस समय डाइजेस्टिव सिस्टम सबसे ज्यादा एक्टिव रहता है। इससे जामुन में मौजूद पोषक तत्व जैसे फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन्स शरीर में अच्छी तरह से एब्जॉर्ब हो पाते हैं। सवाल- क्या खाली पेट जामुन खा सकते हैं? जवाब- नहीं, जामुन खाली पेट नहीं खाना चाहिए। इसका स्वाद थोड़ा कसैला (थोड़ा खट्टा-कड़वा) होता है। इससे पेट में गैस, भारीपन या मरोड़ जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। सवाल- जामुन खाने के बाद कितनी देर तक कुछ नहीं खाना चाहिए? जवाब- जामुन खाने के बाद कम-से-कम 20-30 मिनट तक कुछ नहीं खाना चाहिए, जिससे यह आसानी से पच सके और इसके पोषक तत्व ठीक से अवशोषित हो सकें। सवाल- क्या जामुन को नमक लगाकर खाना सही है? जवाब- हां, चुटकी भर काला नमक के साथ जामुन खा सकते हैं, लेकिन बहुत ज्यादा नमक न डालें। सवाल- क्या जामुन को छिलके समेत खाना चाहिए? जवाब- हां, जामुन का छिलका ही सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स (जैसे एंथोसायनिन) और फाइबर होते हैं। ये तत्व ब्लड शुगर कंट्रोल करने, पाचन सुधारने और शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। सवाल- एक स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में कितना जामुन खा सकता है? जवाब- ये उम्र, वजन और सेहत पर निर्भर करता है। एक स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में 10 से 15 जामुन तक खा सकता है। सवाल- बच्चे एक दिन में कितना जामुन खा सकते हैं? जवाब- यह उम्र और पाचन क्षमता पर निर्भर करता है। आमतौर पर 5 साल से बड़े बच्चों को जामुन दे सकते हैं। शुरुआत में 3 से 4 जामुन दें, ताकि शरीर की प्रतिक्रिया समझी जा सके। बच्चे दिन में 50 से 100 ग्राम जामुन। खा सकते हैं। मात्रा उम्र और पाचन क्षमता पर निर्भर है। वयस्कों को भी 200 ग्राम से ज्यादा जामुन नहीं खाना चाहिए। अधिक सेवन से पेट दर्द, गैस या अपच हो सकती है।सवाल- डायबिटीज के पेशेंट एक दिन में कितना जामुन खा सकते हैं? जवाब- डायबिटिक लोगों के लिए 8 से 10 जामुन की मात्रा सेफ मानी जाती है। जामुन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ाता है। हालांकि ज्यादा मात्रा में लेने पर ब्लड शुगर बहुत कम (हाइपोग्लाइसीमिया) भी हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में खाना चाहिए। सवाल- क्या बहुत ज्यादा जामुन खाने से कोई नुकसान भी हो सकता है? जवाब- जामुन हेल्दी फल है, लेकिन इसे ज्यादा मात्रा में खाने से कुछ समस्याएं हो सकती हैं।सभी साइड इफेक्ट्स देखिए-सवाल- किन फलों के साथ जामुन खाया जा सकता है? जवाब- जामुन को मीठे फलों के साथ मिलाकर खाया जा सकता है। ये पाचन के लिए बेहतर होता है। इसे बहुत ज्यादा खट्टे फल (जैसे संतरा, नींबू) के साथ नहीं खाना चाहिए। सवाल- क्या जामुन को सलाद में मिला सकते हैं? जवाब- हां, जामुन को सलाद में मिलाकर खा सकते हैं। इसका खट्टा-मीठा और हल्का कसैला स्वाद सलाद में फाइबर की मात्रा भी बढ़ाता है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। सवाल- क्या जामुन के साथ नट्स खाना ठीक है? जवाब- हां, नट्स में मौजूद हेल्दी फैट और प्रोटीन जामुन के नेचुरल शुगर (फ्रुक्टोज) के एब्जॉर्बशन को धीमा कर देता है। इससे ब्लड शुगर स्पाइक नहीं होता। यह कॉम्बिनेशन सैटायटी बढ़ाता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा रहता है और बार-बार भूख कम लगती है। सवाल- क्या जामुन को मिंट, काला नमक या चाट मसाले के साथ खाना सुरक्षित है? जवाब- हां, जामुन को मिंट (पुदीना), काला नमक या चाट मसाले के साथ खाना सेफ है। पुदीना और काला नमक स्वाद बढ़ाने के साथ पाचन में भी मदद कर सकते हैं। चाट मसाला और काला नमक में सोडियम ज्यादा होता है, इसलिए ज्यादा मात्रा में न डालें। सवाल- जामुन किन चीजों के साथ नहीं खाना चाहिए? जवाब- जामुन पोषक तत्वों से भरपूर है, लेकिन कुछ फूड कॉम्बिनेशन ऐसे होते हैं, जिनके साथ इसे खाने से पाचन में गड़बड़ी हो सकती है। जामुन के साथ न खाएं ये चीजें-अचार, ठंडा या ज्यादा पानी, दही, ज्यादा नमक, खट्टे फल.सवाल- क्या जामुन खाने के तुरंत बाद दूध पीना चाहिए? जवाब- नहीं, जामुन खाने के तुरंत बाद दूध पीना सही नहीं माना जाता। जामुन खाने के बाद कम-से-कम 4 घंटे बाद ही दूध पिएं। सवाल- जामुन और दूध का कॉम्बिनेशन नुकसानदायक क्यों है? जवाब- जामुन की तासीर खट्टी और कसैली होती है, जबकि दूध का स्वभाव अलग होता है। जब दोनों को एक साथ या तुरंत बाद लिया जाता है, तो जामुन में मौजूद एसिड दूध के प्रोटीन को जल्दी जमा सकता है। इससे कुछ लोगों को पेट ब्लोटिंग, गैस, अपच, पेट दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इसलिए जामुन खाने के कम-से-कम 4 घंटे बाद दूध पीने की सलाह दी जाती है। सवाल- क्या जामुन खाने के बाद दही खाना सही है? जवाब- नहीं, जामुन खाने के बाद दही नहीं खाना चाहिए। जामुन और दही दोनों में अलग-अलग एंजाइम होते हैं और इनका एक साथ सेवन डाइजेस्टिव सिस्टम को बिगाड़ सकता है । सवाल- जामुन के साथ खट्टे फल खाने चाहिए या नहीं? जवाब- नहीं, जामुन खुद हल्का खट्टा होता है। अगर इसके साथ संतरा, नींबू जैसे खट्टे फल खाने से पेट में एसिडिटी या जलन बढ़ सकती है। सवाल- जामुन खाने के बाद पानी पीना चाहिए या नहीं? जवाब- नहीं, जामुन खाने के बाद 20-30 मिनट का गैप रखें, फिर पानी पिएं। तुरंत पानी पीने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जामुन खाने के बाद पानी पीने के नुकसान पेट दर्द, भारीपन, खांसी, गैस या अपच, गले में खराश, गले में जलन। सवाल- जामुन खाने के तुरंत बाद भारी भोजन क्यों नहीं करना चाहिए? जवाब- जामुन हल्का और जल्दी पचने वाला फल है, जबकि भारी खाना (तला-भुना या ज्यादा फैट/प्रोटीन वाला) धीरे पचता है। ऐसे में दोनों साथ होने पर पाचन की प्रक्रिया गड़बड़ हो सकती है। इससे गैस, ब्लोटिंग या पेट में भारीपन महसूस हो सकता है। बेहतर है कि जामुन खाने के बाद कम-से-कम 30 मिनट का गैप रखकर ही भारी भोजन करें। सवाल- क्या जामुन और शराब का कॉम्बिनेशन नुकसान पहुंचा सकता है? जवाब- हां, शराब गट लाइनिंग को इरिटेट करती है और जामुन का खट्टा-कसैला स्वभाव इस असर को बढ़ा सकता है। साथ ही जामुन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जबकि शराब शुगर लेवल को अस्थिर कर सकती है। इसलिए दोनों को साथ नहीं लेना चाहिए। सवाल- क्या जामुन खाने के बाद चाय या कॉफी पीना ठीक है? जवाब- नहीं, जामुन में मौजूद टैनिन्स और एंटीऑक्सिडेंट्स, चाय/कॉफी के कम्पाउंड्स (जैसे कैफीन और टैनिन) के साथ मिलकर कुछ लोगों में पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। जामुन से जुड़ी 10 जरूरी बातें हैं।

इन्हें हमेशा ध्यान रखना चाहिए- जामुन के बारे में 9 जरूरी बातें-अच्छे से धोकर खाएं। खाली पेट न खाएं। एक बार में ज्यादा न खाएं। खाने के बाद पानी न पिएं। पेट सेंसिटिव हो तो कम खाएं। बच्चों को बीज निकालकर दें। दूध पीने के बाद न खाएं। जामुन खराब हो तो न खाएं। कोई बीमारी हो तो, डॉक्टर से पूछकर खाएं।सवाल- जिन चीजों के साथ जामुन खाने-पीने की मनाही है, अगर गलती से वो खा लें तो क्या नुकसान होगा? जवाब- इनका कॉम्बिनेशन पेट में गैस, अपच, एसिडिटी या एलर्जी जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है.अगर इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, तो जामुन ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसलिए इस मानसून जामुन का स्वाद भी लें और इसके हेल्थ बेनिफिट्स भी पाएं।

हर एलर्जी मामूली नहीं-जान भी जा सकती है, डॉक्टर से जानें क्या है एनाफिलैक्सिस, एलर्जी है तो ये इंजेक्शन साथ रखें

नयी दिल्ली। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' के मुताबिक, दुनिया में लगभग 20-30फीसदी लोगों को कभी-न-कभी एलर्जी की समस्या होती है। इसमें आमतौर पर छींक, खुजली या आंखों से पानी आने जैसे लक्षण दिखते हैं। लेकिन कुछ लोगों में यही एलर्जी

अचानक 'एनाफिलैक्सिस' का कारण बन सकती है। एनाफिलैक्सिस एक गंभीर एलर्जिक रिएक्शन है। इसमें अचानक ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। कुछ मामलों में ऑर्गन फेलियर भी हो सकता है। 'द जर्नल ऑफ एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अमेरिका में हर 100 में से 1-5 लोगों को कभी-न-कभी एनाफिलैक्सिस हुआ है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में एनाफिलैक्सिस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-यह शरीर को कैसे प्रभावित करता है? एनाफिलैक्सिस से कैसे बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. रजत गुप्ता, डायरेक्टर, क्रिटिकल केयर, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- एनाफिलैक्सिस क्या है? जवाब- नीचे पॉइंटर्स से समझिए- एनाफिलैक्सिस एक तरह की एलर्जी ही है, लेकिन यह उसका थोड़ा गंभीर रूप है। यह कुछ फूड आइटम्स, दवाओं या कीड़े के डंक से ट्रिगर हो सकता है। इसमें शरीर में बहुत तेजी से रिएक्शन होता है। एनाफिलैक्सिस में कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो सकती है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसलिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। सवाल- यह सामान्य एलर्जी से कैसे अलग है?जवाब- सामान्य एलर्जी और एनाफिलैक्सिस में बड़ा फर्क इसके लक्षणों की गंभीरता का है। पॉइंटर्स से समझिए- सामान्य एलर्जी इसमें छींक, खुजली, आंखों से पानी या स्किन रैशेज जैसे हल्के लक्षण दिखते हैं। इसके लक्षण अक्सर शरीर के एक हिस्से तक सीमित रहते हैं। यह आमतौर पर जानलेवा नहीं होती है।एनाफिलैक्सिस इसमें रिएक्शन तेजी से बढ़ता है और शरीर के कई अंगों को एक साथ प्रभावित कर सकता है। इसमें रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स, गले में सूजन, लो ब्लड प्रेशर और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एनाफिलैक्सिस जानलेवा हो सकता है। सवाल- शरीर में एनाफिलैक्सिस होने पर क्या होता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है। इसको ऐसे समझते हैं- शरीर किसी सामान्य चीज को भी बड़ा खतरा मान लेता है।इसके जवाब में इम्यून सिस्टम कुछ केमिकल्स रिलीज करता है। इनमें हिस्टामिन सबसे अहम होता है। हिस्टामिन के असर से ब्लड वेसल्स रिलैक्स होकर फैल जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर अचानक कम होता है, जिससे बॉडी ऑर्गन्स तक ब्लड की सप्लाई कम हो जाती है। स्किन पर तुरंत असर दिख सकता है। खुजली, रेडनेस और रैशेज हो सकते हैं। चेहरे, होंठ और जीभ में सूजन आ सकती है। एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है और केमिकल्स रिलीज करता है। इससे ब्लड प्रेशर गिरता है, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट सिकुड़ता है और सूजन बढ़ती है। समय पर इलाज न मिले तो यह जानलेवा हो सकता है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कितनी तेजी से फैलता है? जवाब- इसके लक्षण 5-30 मिनट के भीतर शुरू होते हैं और कुछ ही मिनटों में गंभीर हो जाते हैं। सवाल- क्या हर एलर्जी एनाफिलैक्सिस में बदल सकती है? जवाब- नहीं, ऐसा नहीं होता है। हालांकि, कुछ लोगों में एलर्जी एनाफिलैक्सिस का रूप ले सकती है। इसलिए एलर्जी के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर एलर्जी के साथ- सांस लेने में दिक्कत हो चेहरे या गले में सूजन हो चक्कर आए बेहोशी आए तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- किन चीजों से एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस आमतौर पर उन चीजों से ट्रिगर होता है, जिनसे शरीर को एलर्जी होती है। ये ट्रिगर्स हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन कुछ कॉमन कारण होते हैं।सवाल- क्या रोजमर्रा का खाना भी ट्रिगर बन सकता है? जवाब- हां, यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति को किस चीज से एलर्जी है। कुछ लोगों के लिए- दूध, अंडा, मूंगफली, ट्री नट्स गेहूं, सोया या सीफूड जैसे कॉमन फूड आइटम्स भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। जो चीज आमतौर पर सेफ मानी जाती है, वही किसी एलर्जिक व्यक्ति के लिए रिस्की बन सकती है। सवाल- क्या दवाओं से भी एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- हां, कुछ दवाएं भी एनाफिलैक्सिस ट्रिगर कर सकती हैं। सबसे ज्यादा रिस्क कुछ एंटीबायोटिक्स से होता है। जैसे- पेनिसिलिन ग्रुप की दवाएं। पेन किलर्स। कुछ लोगों में वैक्सीन या एनेस्थीसिया से भी रिएक्शन हो सकता है। इसलिए अगर किसी दवा से पहले कभी एलर्जी हुई हो तो डॉक्टर को जरूर बताएं। सवाल- क्या ये किसी भी व्यक्ति को हो सकता है? जवाब- हां, एनाफिलैक्सिस किसी भी व्यक्ति को हो सकता है।

जेन-जी के बाद जेन-अल्फा के आंदोलन

बड़े दिन हुए! कहना चाहिए सालों बीत गए, कोई आंदोलन प्रशासन, खासकर जिम्मेदार अफसरों को सावधान हो जाना

इस देश ने नहीं देखा था। कम से कम जेन-अल्फा ने तो नहीं ही देखा था। अब वही जेन-अल्फा आंदोलन पर उतर आया है! जेन-जी ने जब से जंतर-मंतर और रांची की सड़कों पर अलख जगाई, अल्फा में भी जोश आ गया। जेन-अल्फा वो हैं, जो 2013 से 2024 के दरमियान अवतरित हुए हैं। ये दरअसल छोटे-छोटे स्कूली बच्चे हैं। इनकी मांगें राजनीतिक नहीं। सामाजिक भी नहीं। वे सिर्फ अपने स्कूल तक सड़क मांग रहे हैं। या क्लास रूम में पंखों, बेचों की सुविधा मांग रहे हैं। छोटे-छोटे ही सही, आंदोलन कर रहे हैं। शांतिपूर्ण। सौहार्दपूर्ण! हाल ही में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। फतेहपुर, उत्तरप्रदेश के सरकारी इंटर कॉलेज के बच्चों ने बिजली, पंखे, पानी आदि की व्यवस्था के लिए प्रदर्शन किया और बाकायदा एआई से बनाए गए पोस्टर, प्लेकार्ड का इस्तेमाल भी किया। शिक्षा अधिकारियों को तमाम व्यवस्थाओं के लिए लिखित आश्वासन देना पड़ा। राजस्थान में छात्रों ने शिक्षकों की कमी, खराब स्कूल भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। उनका नारा था- 'पढ़ने के लिए ठीक स्कूल और शिक्षक दो।' इसी तरह बिहार में भी सरकारी स्कूल के बच्चों ने बुनियादी सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र में तो स्कूली छात्राओं ने खराब सड़क का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला और वायरल कर दिया। इसे जेन-अल्फा की डिजिटल तरीके से अपनी मांग रखने की मिसाल माना गया। सबसे ताजा मामला उत्तर प्रदेश के हमीरपुर का है। यहां चंद्रपुर के स्कूली बच्चे हाथ में तिरंगा लिए पांच किलोमीटर दूर कलेक्टर कार्यालय पहुंच गए। मांग थी स्कूल तक पक्की सड़क बनाई जाए। बच्चों ने लगभग पांच घंटा धरना दिया। कुछ बच्चे तो डीएम कार्यालय में भी घुस गए थे। इन सभी प्रदर्शनों की खास बात ये रही कि बच्चों ने कहीं भी कोई राजनीतिक नारेबाजी नहीं की। उन्होंने सीधे अपनी मूलभूत मांगों पर फोकस रखा और अपने आंदोलन या प्रदर्शन को वहीं तक सीमित रखा। संकेत साफ है- इनकी लड़ाई फिलहाल किसी केंद्र या राज्य सरकार से नहीं है, लेकिन चाहिए। अब उनकी मनमानी नहीं चलेगी। ढीलपोल नहीं चलने वाली। सही भी है! देश के कई राज्यों के कई इलाकों में आज भी सरकारी स्कूलों की हालत जर्जर है। बच्चे कभी पेड़ के नीचे पढ़ने को विवश हैं तो कहीं उन्हीं जर्जर भवनों में, जो कभी भी गिरने को तैयार खड़े हैं। जिम्मेदार अफसर न तो इन स्कूलों को कभी देखने जाते और न ही इनके सुधार या मरम्मत पर ध्यान देते हैं। सड़कों के हाल तो ऐसे हैं कि आप समझ ही नहीं पाते कि ये गड्ढे हैं या सड़क! अफसरों के इलाकों में बनी-बनाई, चिकनी-चुपड़ी सड़क पर भी महीने-दो महीने में पोता फिर जाता है, जबकि सामान्यजन के इलाकों की कोई कभी सुध ही नहीं लेता। लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा! जेन-जी के बाद अब जेन-अल्फा अपनी ताकत दिखाने पर आमादा हो चुकी है। वो किसी की सुनने वाली नहीं है। कारण साफ है- उसकी कोई कमजोरी नहीं है। न इनकम टैक्स वालों का डर, न ईडी वालों का भय। चूंकि इन बच्चों का कोई राजनीतिक हित नहीं है, इन्हें किसी पद या कुर्सी की लालसा नहीं है, इसलिए कोई इनमें फूट भी नहीं डाल सकता। एक अदद नौकरी के लिए वर्षों का संघर्ष और अंत में निराशाजनक लगने वाली इस व्यवस्था में 1990 से पहले जन्मे लोग तो जी लिए। उन्होंने हर तरह की पीड़ा सह भी ली और अपने संघर्षमय जीवन को किसी तरह आत्मसात भी कर लिया। लेकिन जेन-जी और जेन-अल्फा में वैसा धैर्य नहीं है। वे सहन करने और करते रहने वालों में से नहीं हैं! कुल मिलाकर, यह व्यवस्था को सुधारने का वक्त है। अफसरों के सुधर जाने का वक्त है। अगर समय रहते ये सब सुधार नहीं हुए तो जेन-अल्फा सबको सुधार देगी! यह व्यवस्था सुधारने का वक्त 1990 से पहले जन्मे लोगों ने हर तरह की पीड़ा सह भी ली और अपने संघर्षमय जीवन को किसी तरह आत्मसात भी कर लिया, लेकिन जेन-जी और जेन-अल्फा सहन करने और करते रहने वालों में से नहीं हैं। यह व्यवस्था को सुधारने का वक्त है। अगर समय रहते सुधार नहीं हुए तो जेन-अल्फा सबको सुधार देगी।
नवनीत गुर्जर

क्या शिया ईरान के खिलाफ सुन्नी गठजोड़ बनाया गया है?

तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान के बीच मक्का में हुए समझौते को 'मुस्लिम नाटो' बताया जा रहा है। समझौते में कहा गया है कि किसी एक पर हमला तीनों पर हमले जैसा माना जाएगा। यह नाटो के अनुच्छेद-5 जैसा है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं है कि हमले के बाद किस प्रकार की सैन्य सहायता दी जाएगी। हो सकता है यह अस्पष्टता जानबूझकर रखी गई हो। इन तीनों देशों की रणनीतिक ताकत अलग-अलग है। सऊदी अरब की ताकत धन, तेल और उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। पाकिस्तान मुस्लिम जगत का एकमात्र परमाणु-हथियार सम्पन्न राष्ट्र है। तुर्किये के पास ताकतवर सेना और उन्नत रक्षा उद्योग है। तीनों की समझौते की वजहें भी अलग हैं। सऊदी अरब सुरक्षा का भरोसा चाहता है। पाकिस्तान रणनीतिक हैसियत में ऊंचा दर्जा चाहता है। तुर्किये रणनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहता है। हाल के घटनाक्रम से सऊदी अरब के लिए खतरे सामने आए हैं। ऐसे में यह समझौता उसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवच जैसा है। इस समझौते से पाकिस्तान को सबसे बड़ा तात्कालिक लाभ मिलता दिखता है। सुरक्षा को लेकर उसकी सोच भारत, अफगानिस्तान, आतंकवाद और आंतरिक चुनौतियों के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। यह समझौता उसे दक्षिण एशिया से आगे भी एक व्यापक सुरक्षा ढांचे में भूमिका प्रदान करता है। लेकिन अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो क्या समझौते के तहत पाकिस्तान युद्ध में शामिल होगा? सऊदी अरब और ईरान, दोनों से पाकिस्तान के हित जुड़े हैं तो उसके लिए किसी एक के खिलाफ दूसरे को चुनना आसान नहीं होगा। यानी इस समझौते से पाकिस्तान की प्रासंगिकता के साथ ही उसकी दुविधा भी बढ़ती है।तुर्किये नाटो, रूस, ईरान, खाड़ी देशों, पाकिस्तान, मध्य एशिया के साथ संबंध बनाए हुए है। लेकिन सीरिया, इराक, कॉकेशस क्षेत्र में भी उसके महत्वपूर्ण हित हैं, जहां उसका ईरान से सामंजस्य जरूरी है। अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो तुर्किये क्या करेगा? इंटेलिजेंस, हवाई रक्षा, नौसैनिक सहायता, लड़ाकू विमान देने जैसी मदद करेगा या ईरान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा? वहीं यदि सीरिया या इराक को लेकर तुर्किये का ईरान से टकराव होता है तो क्या सऊदी और पाकिस्तान भी युद्ध में उतरेंगे? गठबंधन आक्रमण को तो रोकते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे के लिए उलझन-भरी स्थिति भी पैदा कर सकते हैं।

महान लीडर उपलब्धि हासिल करने से पहले ही प्रेरित करते हैं

अशोक सिर्फ 21 साल के थे। उन दिनों नौकरियां बहुत कम थीं। उनकी बेचैनी उन्हें मेजर ने अशोक के बारे में इतनी उदार बातें कीं कि अभी सिलेक्शन का इंतजार कर रहे आदेश देने के काम से आगे लेकर जाना। अपनी पहली किताब 'कॉर्न ऑन द कॉब एंड स्टोरीज- पोर्ट्रेट्स ऑफ लाइफ' में इस अनुभव को अशोक अपने ही शब्दों में बताते हैं कि मेजर ने उनसे अपने नियुक्ति पत्र का मसौदा खुद ही बनाने को कहा, जिसे वायरलेस रेडियो के जरिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाना था। यह उनका दूसरा सबक था कि जिम्मेदारी सुविधा का इंतजार नहीं करती। उस दिन नियुक्ति पत्र मिलने से पहले ही अशोक ने सीखा कि जब वे लोगों का चयन करेंगे तो उन्हें कैसे प्रस्ताव तैयार करना सीखना होगा। वह सुबह 7 बजे घर से निकले थे और रात 9 बजे के बाद लौटे, लेकिन एक अंतर था- उनके हाथ में नियुक्ति पत्र था। उनकी किताब आपको आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ले जाती है, जहां उन्हें पहले दिन की ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करना था। वहां से कैसे उनकी बटालियन, 36 वाहनों के काफिले से मध्य प्रदेश के नीमच गई। और फिर अचानक आधी रात में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भेज दी गई, जहां उन्हें पुलिस विद्रोह से निपटने में मदद करना था। उन्हें कई दिनों वहां एक पहाड़ी पर चंद बड़े पेड़ों के नीचे रहना पड़ा। इस किताब ने मुझे जो सिखाया, वह सिर्फ कहानियां ही नहीं हैं। इसके हर चैप्टर में ऐसा सबक है, जिसके बारे में आज के ज्यादातर बच्चे और कॉर्पोरेट लीडर्स तक नहीं जानते। पैसे की बहुतायत के कारण हमारे बच्चे सबसे बेहतर सुविधाओं की मांग करने लगे हैं और हमारे लीडर हमारी युवा पीढ़ी की सबसे बेहतर खूबियों को ठीक से पहचान नहीं पा रहे हैं। फंडा यह है कि जब आगे-आगे प्रोत्साहन चलता है तो लोग दिल से उसका अनुसरण करते हैं। वे सिर्फ सैलरी के लिए काम नहीं करते बल्कि उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि किसी ने उनमें गर्व का बीज बो दिया होता है। एन. रघुरामन

हमेशा आर्म्ड फोर्सेज में अवसर तलाशने को प्रेरित करती थी। फिर एक मौका आया। वैसा नहीं, जैसा उन्होंने सोचा था लेकिन उस राह पर कदम रखने के काफी करीब था। यह सीआरपीएफ में एक पद था। उन्होंने किस्मत आजमाने का फैसला किया। वहां पहले से ही सैकड़ों लोग थे। उत्सुक और उम्मीद से भरे हुए। जब उन्हें बताया गया कि रेजिमेंट को मुश्किल और दूर-दराज के इलाकों में तैनात किया जाएगा तो आधे-से ज्यादा लोग चले गए। फिर बहुत-से इसके बाद हुए टेस्ट राउंड्स में बाहर हो गए। अशोक टिके रहे, क्योंकि उनमें कुछ हासिल करने की जिद थी। उस थकाऊ दिन के खत्म होने से पहले मेजर केके चटर्जी की नजर भूखे और थके हुए अशोक पर पड़ी। मेजर चटर्जी आर्मी के बाद अपनी दूसरी सर्विस कर रहे थे। वे अशोक को ऑफिसर्स मेस ले गए। उन्हें भरपेट खाना खिलाया और फिर कुछ ऐसा किया, जिसकी उम्मीद नहीं थी।मेजर ने अशोक को अपनी पत्नी से मिलवाया। किसी उम्मीदवार या रिक्रूट के तौर पर नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्ति के रूप में जो पहले ही अपना योगदान दे चुका हो। अशोक को खुद भी नहीं पता था कि उनमें इतनी खूबियां हैं। पत्नी ने मेजर की बातें पूरे ध्यान से सुनीं। उनकी आंखों में उत्सुकता थी और पति के किसी दबाव के बिना उनके होंठों से शब्द निकले जा रहे थे। उन शब्दों ने अशोक की सारी थकान मिटा दी। ऐसा होता भी क्यों नहीं? अच्छे कपड़ों में सजी-धजी, शालीन महिला के शब्द दुबले-पतले अशोक के गले में किसी माला के समान थे। उन्हें लगा कि जॉइनिंग से पहले ही उन्होंने अपनी एक जगह बना ली है। अशोक को महसूस हुआ कि उन्हें उनके भावी पद या भूमिका के लिए नहीं, बल्कि उन प्रयासों के लिए पहचाना जा रहा है, जो वे यहां तक पहुंचने के लिए कर चुके थे। आधिकारिक तौर पर ड्यूटी शुरू करने से पहले ही एक कमांडिंग ऑफिसर ने उन पर भरोसा किया, उनसे गर्व के साथ बात की और उनकी पत्नी ने भी प्रशंसा की। यह अशोक चौकुलकर का पहला सबक था, जो इतने वर्षों में स्कूल और कॉलेज की कोई किताब नहीं सिखा पाई- किसी युवा व्यक्ति द्वारा हासिल की गई उपलब्धि को जल्दी स्वीकारना, बिना इंतजार किए उसे प्रोत्साहित करना और लीडरशिप को महज

परिसीमन के इर्द-गिर्द ही घूम रही है भाजपा की राजनीति

मानसून सत्र का फोकस परिसीमन विधेयक पर ही रहने वाला था। 20 जुलाई से शुरू हुए सत्र से पहले चर्चाएं थीं कि टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) में विभाजन के बाद सत्तारूढ़ एनडीए संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बेहद करीब पहुंच गया है। बंगाल में मिली जीत से उत्साहित भाजपा को उम्मीद थी कि वह महिला आरक्षण विधेयक और उससे जुड़े परिसीमन विधेयक को पारित करा लेगी, जिसे इसी साल अप्रैल में खारिज कर दिया गया था। वहीं विपक्ष के कई नेताओं को आशंका थी कि भाजपा इस 'डी' (डीलिमिटेशन) विधेयक को जल्दबाजी में पारित कराना चाहती है, ताकि निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन के जरिए 2029 में वह चौथी बार सत्ता में लौट सके। टीएमसी और शिवसेना में विभाजन के बाद एनडीए को लोकसभा के 26 अतिरिक्त सांसदों का समर्थन मिल गया था। इसके बाद भाजपा के रणनीतिकार डीएमके के साथ 'ट्रैक-2' बातचीत कर रहे थे। डीएमके के लोकसभा में 22 सदस्य हैं और कांग्रेस द्वारा डीएमके से गठबंधन समाप्त कर टीवी के का समर्थन करने के बाद से वह इंडिया गठबंधन से अलग हो गई थी। लोकसभा में 8 सांसदों वाली एनसीपी (एसपी) भी संशोधित 'डी' विधेयक का समर्थन करने की ओर झुकती दिख रही थी। लेकिन छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बाद ये दोनों दल असमंजस में पड़ गए और उन्होंने कहा कि वे पहले विधेयक की विषयवस्तु देखेंगे। उनके बदले हुए रुख की वजह समझना मुश्किल नहीं है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों ने राजनीतिक विमर्श को अपने कब्जे में ले लिया है। दिल्ली के बाद झारखंड के छात्रों ने भी लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का सामना करते हुए विधानसभा तक मार्च किया। बिहार के छात्र भी आंदोलन की राह पर हैं। प्रयागराज में भी राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली। इससे सत्तारूढ़ भाजपा को चिंता होनी चाहिए, क्योंकि यूपी चुनाव अब कुछ ही महीने दूर हैं और राज्य की आबादी में जेन-जी की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत है। कांग्रेस ने अपना ध्यान गृह मंत्री पर केंद्रित किया और उनके इस्तीफे की मांग की। गृह मंत्री के सदन में नहीं आने की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने पहले मांग की कि वे इस पर बयान दें कि छात्रों पर लाठियां और पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। जब गृह मंत्री बयान देने के लिए तैयार हुए, तब राहुल गांधी ने कहा कि वे इसे सुनना ही नहीं चाहते। कांग्रेस ने शायद यह आकलन किया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बलप्रयोग ने गृह मंत्री की छवि को कमजोर कर दिया है। उनके सदन में नहीं आने से यह धारणा और मजबूत हुई कि वे रक्षात्मक स्थिति में हैं। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि यह धारणा कमजोर पड़े। लेकिन भाजपा ने सत्र के आखिरी सप्ताह में 'डी' विधेयक के समर्थन में लामबंदी इच्छा जताई और इसे व्यापक चर्चा के लिए जेपीसी को भेजने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन अब सरकार परिसीमन संबंधी कानून पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में सोच रही है। संशोधित विधेयक के प्रावधानों को आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन डीएमके और एनसीपी (एसपी) जैसे संभावित समर्थकों के साथ उन पर चर्चा की गई है। इनमें सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में समान रूप से 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव भी शामिल है, जिस पर इन दलों ने जोर दिया था। लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। इससे महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटें दी जा सकेंगी। दिल्ली के सत्ता गलियारों में इस संभावना की चर्चा है कि डीएमके परिसीमन विधेयक पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहकर अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन कर सकती है। भाजपा झामुमो और वाईएसआर कांग्रेस से भी चर्चा कर रही है। लेकिन इसके बावजूद भाजपा को इसे बिना किसी अड़चन के पारित कराने का भरोसा हासिल करने के लिए और प्रयास करने होंगे। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरजा चौधरी)

मन जो कहता है वो पढ़िए, पर शब्दों की पहली सीढ़ियां तो चढ़िए

बचपन में न तो टीवी था न मोबाइल, तो बच्चे छुट्टियों में क्या करते थे? कॉमिक्स पढ़ते थे। खरीदने का तो सवाल ही नहीं, हम पढ़ते थे किराये पर। कहलाती थी वो लाइब्रेरी, पर होती थी एक छोटी-सी दुकान, जिसमें कॉमिक्सों के अनगिनत अंकों का ढेर हमारे लिए किसी खजाने से कम नहीं था। और उस ढेर में से अपनी पसंद की कॉमिक्स ढूंढने का एक अलग ही मजा होता था। जिनकी आंखों की रफ्तार तेज होती, उनके हाथों में बार-बार पढ़े हुए अंक आते और वो कहते- भैया, कुछ नया दो ना। भैया के साथ सेटिंग हो तो वो आपके लिए लेटेस्ट कॉमिक्स छुपाकर भी रखते, मगर इस हिदायत के साथ कि कल जरूर लौटा देना! एक बड़े से रजिस्टर में आपके नाम का एक अकाउंट होता था, जिसमें हिसाब नोट किया जाता- शायद 25 पैसे के रेट से एक कॉमिक्स मिलती थी। कुछ साल बाद महंगाई के कारण दाम 50 पैसे हो गया। आधी कॉमिक्स तो कई बार वहां खड़े-खड़े ही हम चाट जाते। खैर, दोबारा भी पढ़ने में हमें कोई आपत्ति नहीं थी। जिस तरह चाय-सुट्टे की दुकान पर महीने के अंत में अकाउंट सेटल करना पड़ता था, इसी तरह लाइब्रेरी में होता था। कई बार मम्मी से थोड़े एक्स्ट्रा पैसे मांगने पड़ते, क्योंकि ऐसा फिक्स्ड बजट तो था नहीं। मम्मी-पापा की बस एक ही शिकायत थी- खूब पढ़ो, मगर असली किताबें पढ़ो। कॉमिक्सों में क्या रखा है? सबसे ज्यादा डिमांड वाली कॉमिक्स थीं चाचा चौधरी, बेला-बहादुर, फैंटम और आर्चीज की। मेरा पसंदीदा पात्र था मैंड्रेक द मैजिशियन, लेकिन सच कहूं तो जिन कॉमिक्स ने मेरा दिल पूरी तरह से जीत लिया था उनका नाम था अमर चित्र कथा। मेरे पिताजी के दोस्त लिंकन अंकल इंडिया बुक हाउस में नौकरी करते थे। वो जब आते तो साथ में 1-2 अमर चित्र कथा लाते। भारत के इतिहास की जितनी जानकारी स्कूलों में दी गई, उससे दोगुनी मैंने अमर चित्र कथा से पाई हैं। अशोक हो या राणा प्रताप, उसमें छपी हुई छवि मन में आज भी हूबहू मौजूद है। पंचतंत्र, पौराणिक कथाएं, यहां तक कि कालिदास के नाटक मृच्छकटिकम् का आभास भी हमें अमर चित्र कथा ने ही कराया। अकबर का जिक्र तो सिलेबस में था मगर बीरबल की सूझ-बूझ कैसे पता चलती? झांसी की रानी से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस तक सचमुच उनकी प्रकाशित हर चित्रकथा अमर थी। सोचती हूं, इस स्टाइल से अगर बच्चों को पढ़ाया जाए, तो उनको इतिहास से प्यार हो सकता है। क्या जरूरी है कि हमारी सिलेबस की पुस्तकें इतनी बोरिंग हों? शायद टेक्स्ट-बुक से तंग आजकल की युवा पीढ़ी को किताबों से ही चिढ़ हो गई है। उनके मन में पढ़ने का मतलब हो गया है रट्टा और रिवीजन। पढ़ो एग्जाम वेज लिए। कॉम्पीटिशन के लिए। पढ़ना माने दिमाग का दही। कंधों पर एक भारी बस्ते का बोझ। करियर बनाने का बस एक साधन। सिर्फ आनंद के लिए भी कोई पढ़ता है? आज के कई बच्चों के लिए यह किसी अजूबे से कम नहीं। हां, आज के दौर में मोबाइल पर आपको बहुत सारा मनोरंजन उपलब्ध है। लेकिन पढ़ने से अरुचि का कारण सिर्फ वो नहीं। कॉमिक्स का महत्व यह है कि उसे पढ़ना आसान है।

कहानी जब सिर्फ अक्षरों नहीं, चित्रों के साथ भी वर्णित होती है, तो ज्यादा रोमांचक होती है। इसलिए हमें चाहिए बहुत सारे नए आर्टिस्ट, लेखक और प्रकाशक, जो साथ जुड़कर नया ट्रेंड शुरू करें। आज की स्टाइल में, आज की भाषा में हमारे देश की पुरानी एवं नई कहानियों को फिर से कॉमिक्स का रूप मिले। इसमें एआई की भी मदद ली जा सकती है। स्क्रीन्स के आक्रमण में कब वो छोटी-सी दुकानें बंद हो गईं, पता ही नहीं चला। उन्हें हमें वापस लाना होगा। हर मोहल्ले में हो एक लाइब्रेरी, जहां बच्चे और बड़े कॉमिक्सों के ढेर में से अपने मनपसंद अंक चुन सकें। जहां कुछ देर को मोबाइल से हमारा ध्यान हट जाए। जहां हम पन्नों को उलटने का आनंद पाएं! (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रश्मि बंसल)

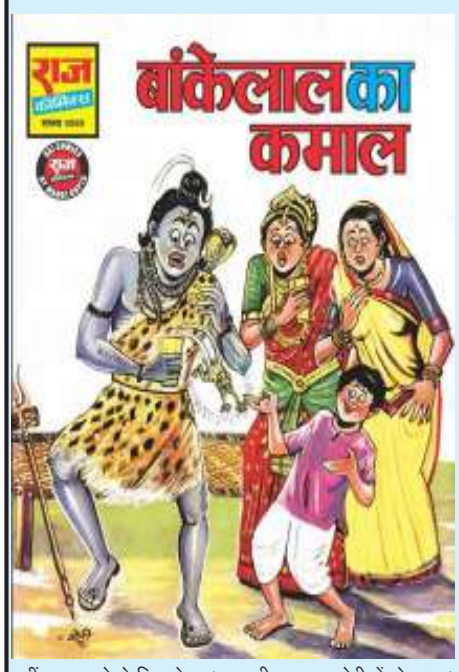

हमारे पास कहने को बहुत कुछ है, पर दुनिया को उन्हें सुनाएं तो

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल 44 सम्पत्तियां हैं और 69 साइट अस्थाई सूची में हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन 3600 से अधिक केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं तथा राज्य पुरातत्व विभागों और धार्मिक ट्रस्टों के तहत भी बहुत-से स्थल हैं। इनमें से कई जगहों पर पर्यटक शानदार वास्तुकला या धार्मिक स्थलों को देख तो लेते हैं, लेकिन इनके बारे में उन्हें कम ही जानकारी मिल पाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस स्थल की कहानी दूरदराज के किसी म्यूजियम या रिजर्व कलेक्शन में रखी होती है। हैरिटेज मैनेजमेंट पर नीति आयोग की एक रिपोर्ट में राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, धोलावीरा, शिवसागर और आदिचनल्लूर जैसे प्रमुख स्थलों पर साइट म्यूजियमों का नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। हम्पी और सारनाथ में फ्लैगशिप परियोजनाओं की सिफारिश की गई है। संसदीय समितियों ने भी म्यूजियम और पुरातात्विक स्थलों पर इंटिग्रेटेड विजिटर सेंटर बनाने, बेहतर सुविधाएं देने और तकनीक की मदद से कहानी कहने की सुविधा देने की हिमायत की है। हम सुनिश्चित करें कि हर विश्व धरोहर स्थल के पास एक म्यूजियम या इंटरप्रिटेशन सेंटर हो। उसका आकार-प्रकार संबंधित स्थल के अनुरूप हो सकता है, लेकिन उद्देश्य गंभीर होना चाहिए। ऐसे म्यूजियम में खुदाई से निकली वस्तुएं रखी जाएं, शोध केंद्र हों और स्थानीय समुदायों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हों। स्थानीय शिल्प और कला के प्रदर्शन को भी जगह दी जाए तो ये स्मारक ऐसे संस्थान बन सकते हैं, जो रोजगार पैदा करें, स्थानीय गौरव को बढ़ाएं और पर्यटकों को अधिक ठहराव के लिए आकर्षित करें। भारत में सरकारी परियोजनाओं के अलावा प्राइवेट म्यूजियम और सार्वजनिक-निजी साझेदारियां भी सामने आ रही हैं। किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट

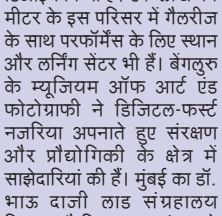

दिल्ली में एक बड़ा परिसर बना रहा है, जिसे डेविड अडजाये ने डिजाइन किया है। एक लाख वर्ग मीटर के इस परिसर में गैलरीज के साथ परफॉर्मेंस के लिए स्थान और लर्निंग सेंटर भी हैं। बेंगलुरु के म्यूजियम ऑफ आर्ट एंड फोटोग्राफी ने डिजिटल-फर्स्ट नजरिया अपनाते हुए संरक्षण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारियां की हैं। मुंबई का डॉ. भाऊ दाजी लाड संग्रहालय दिखाता है कि साझा प्रबंधन से किसी संस्था को कैसे पुनर्जीवित किया जाता है। भुज के स्मृतिवन और पटना के बिहार म्यूजियम जैसे प्रोजेक्ट म्यूजियम को शहर के सामाजिक परिवेश का हिस्सा मानते हैं। भारत के कंपनी एक्ट के तहत पात्र कंपनियों को अपने औसत शुद्ध लाभ का 2फीसदी हिस्सा सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) पर खर्च करना जरूरी होता है। सीएसआर विषयों में कला, संस्कृति और हेरिटेज संरक्षण भी शामिल हैं। फिर भी संस्कृति पर सीएसआर फंड का 3फीसदी से भी कम हिस्सा खर्च होता है। इसके लिए सरकारी फंडिंग भी राष्ट्रीय बजट के 1फीसदी से भी कम है। जबकि अमेरिका में 2025 में निजी परोपकारी संस्थाओं ने कला, संस्कृति, मानविकी के क्षेत्र में 27 अरब डॉलर से अधिक का योगदान दिया। यूरोपीय कंपनियों ने भी ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए पैसा दिया। अगर हम म्यूजियमों में निवेश को सामाजिक खर्च के तौर पर देखें तो सीएसआर बोर्ड और परोपकारी संस्थाएं हम्पी, कोलकाता या दिल्ली के म्यूजियमों को ब्रांडिंग, शिक्षा व पर्यटन आधारित रोजगार के क्षेत्र में साझेदार के तौर पर देख सकेंगी, न कि दान पाने वाली संस्था के तौर पर। भारत को नेशनल म्यूजियम, साइट म्यूजियम और सिटी म्यूजियमों का ऐसा नेटवर्क बनाने की जरूरत है, जो राजवंशों और पुरावशेषों के साथ ही स्थानों और समुदायों की कहानी भी बताए। दिल्ली के नेशनल म्यूजियम की हड़प्पा गैलरी में मोहनजोदड़ो की नृत्य करती युवती, पशुपति मुहर, राखीगढ़ी से मिला कंकाल और उस वक्त के पुरावशेष एकसाथ रखे गए हैं। यह बताता है कि कैसे एक फोकस्ड गैलरी शहरी विकास, शिल्प और आस्था के हमारे राष्ट्रीय नैरेटिव को आधार देती है। अगर भारत अपने विश्व धरोहर स्थलों में इस प्रकार के संस्थान बना सकता है, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम जैसे पुराने संग्रहालयों का आधुनिकीकरण कर सकता है और रायसीना हिल को एक म्यूजियम क्षेत्र में तब्दील कर सकता है तो उसके पास यकीनन अपनी सभ्यता के कथानक को भावी पीढ़ी तक ले जाने वाला इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद होगा। अतीत कोई ऐसी कहानी नहीं है, जिसे सीमित दायरे में ही सुनाया जाए। अगर हम अपने संस्थानों को बेहतर तरीके से बनाएं तो हमारा अतीत वो सबसे ताकतवर चीज हो सकती है, जिसे हम दुनिया के सामने पेश कर सकते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

शुभकामना संदेश एवं अपील

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सोनभद्र की तरफसे 15 अगस्त 2026 'स्वतंत्रता दिवस, आजादी का अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा एवं विकसित भारत 2047 के लिए युवा शक्ति' और '150 Years of Vande Mataram कार्यक्रम के शुभ अवसर पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त जनपदवासियों से निम्न अपील की जाती है-

1. प्रत्येक पुरुष महिला व बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए व्यक्तिगत साफ-सफाई के साथ-साथ अपने आस-पास सफाई रखें। मछरदानी का प्रयोग अनिवार्यरूप से करें।

2. आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011 के जनगणना के आधार पर सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत चिन्हित पात्र परिवारों, लेबर कार्ड धारक व अन्त्योदय योजना कार्डधारक को प्रतिवर्ष 05 लाख रूपये तक की मुफ्त ईलाज सूचीबद्ध सरकारी एवं प्राईवेट चिकित्सालयों द्वारा प्रदान किया जाता है। पंजीकृत परिवार अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे, किसी भी प्रकार के रोग को अनदेखा न करे तथा आवश्यकतानुसार किन्हत चिकित्सालय में समुचित उपचार निःशुल्क करायें ।इस हेतु आयुष्मान भारत की सर्व टीम को पूर्ण सहयोग करें।

3. प्रत्येक मास की 01.09. 16 व 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत सभी ब्लाक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला संयुक्त चिकित्सालय में कुशल चिकित्सकों द्वारा गर्भवती की जांच की जाती। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत गर्भवती माताओं की जांच अवश्य करायें जिससे कि खून में हीमोग्लोबिन की कम मात्रा को पूरा करते हुए, हाईरिरक प्रिग्नेंसी अथवा जोखिम प्रसव से बचाव करते हुए, जच्चा-बच्चा को स्वस्थ्य रखें।

4. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत निःशुल्क प्रसव, जननी शिशु सुरक्षा योजना के अन्तर्गत गर्भवती व प्रसूता को निःशुल्क सेवा लाभ, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम मे बच्चों को सभी आवश्यक टीका, परिवार को सीमित रखने के लिए स्थायी व अस्थायी विधि, टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम में निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ लेते हुए, टी0बी0 मुक्त भारत अभियान में सहयोग दें। जिला संयुक्त चिकित्सालय पर निःशुल्क मोतियाबिन्द आपरेशन व अन्य सेवायें दी जाती हैं, इस हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा आशा / ए0एन0एम0 बहन से सम्पर्क स्थापित करके लाभ उठायें।

5. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला संयुक्त चिकित्सालय में संचालित एन0आर0सी0-पोषण पुनर्वास केन्द्र, एस0एन0सी0यू0-नवजात शिशु देखभाल केन्द्र तथा सभी ब्लाक केन्द्र पर एन0बी0एस0यू0 में नवजात शिशु का प्राथमिक उपचार व देखभाल निःशुल्क करायें।

6. संक्रामक रोगों से बचाव के लिए आस-पास की स्वच्छता का ध्यान रखें, जल श्रोतों की प्राप्त पीने योग्य पानी को विसंक्रमित करने के लिए अपने क्षेत्र की आशा बहनों से क्लोरीन का टैबलेट लेकर सलाह लेते हुए प्रयोग करें।

7. टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान घर-घर संयुक्त परिवार के समस्त बच्चों का टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। समस्त छूटे हुए बच्चों / गर्भवतियों का टीकाकरण पूर्ण करायें।

डा0 रमेश कुमार मिश्रा
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र

चर्चित गौड़ (आई0ए0एस0)
जिलाधिकारी, सोनभद्र

ऑस्कर 2027 के लिए फिल्में भेजने की प्रोसेस शुरू,भारत की ऑफिशियल एंट्री की घोषणा 9 सितंबर को होगी, पिछले साल 'होमबाउंड' गई थी

मुंबई। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर 2027) के लिए भारत की ऑफिशियल

एंट्री वाली फिल्म चुनने की प्रोसेस शुरू कर दी है। प्रोड्यूसर 7 सितंबर को शाम 6 बजे तक अपनी एंट्री जमा कर सकते हैं। बता दें कि ऑस्कर का 99वां एडिशन 14 मार्च, 2027 को अमेरिका के लॉस एंजिल्स शहर के हॉलीवुड इलाके के डॉल्बी थिएटर में होगा। एफएफआई एक जूरी बनाएगा, जिसमें एक चेयरमैन और फिल्म इंडस्ट्री और क्रिएटिव फील्ड के सीनियर सदस्य होंगे। सभी फिल्मों की स्क्रीनिंग के बाद, वोटिंग के जरिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुनी जाएगी। चुनी गई फिल्म की घोषणा 19 सितंबर, 2026 को की जाएगी। नियमों के मुताबिक, सिर्फ वही फिल्में इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए एलिजिबल होंगी, जो भारत में 1 अक्टूबर, 2025 और 30 सितंबर, 2026 के बीच कमर्शियल थिएटर में रिलीज हुई होगी। फिल्म को कम से कम लगातार सात दिनों तक थिएटर में टिकट के साथ रिलीज होना भी जरूरी है। ऑस्कर 2027 के लिए फिल्म भेजने के नियमः- थिएटर रिलीजः फिल्म 1 अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 के बीच रिलीज होनी चाहिए। भारतीय नागरिकः फिल्म के प्रोड्यूसर, कलाकार और तकनीशियन भारतीय पासपोर्ट धारक होने चाहिए। भारतीय भाषाः फिल्म की कम से कम 60फीसदी कहानी भारतीय भाषा या स्थानीय बोली में होनी चाहिए। थिएटर रनः फिल्म भारत में कम से कम 7 दिन थिएटर में चली हो।जरूरी दस्तावेजः कलाकार और तकनीशियन की लिस्ट के साथ फिल्म की कहानी यानी सिनॉप्सिस देना होगा। इंग्लिश सबटाइटलः फिल्म का अंग्रेजी सबटाइटल वाला वर्जन देना जरूरी है। अवॉर्ड की जानकारीः फिल्म के फेस्टिवल में शामिल होने या मिले अवॉर्ड की जानकारी देनी होगी। फिल्म की वेबसाइटः फिल्म की वेबसाइट या ऑफिशियल पेज की जानकारी देनी होगी। फीसः आवेदन के लिए 1 लाख 25 हजार रुपए प्लस जीएसटी देना होगा। रिलीज नहीं हुई फिल्मः 7 सितंबर तक रिलीज नहीं हुई फिल्म को अंडरटेकिंग देनी होगी। रिलीज की शर्तः ऐसी फिल्म को 30 सितंबर 2026 से पहले कम से कम 7 दिन थिएटर में रिलीज करना होगा। पिछले साल 'होमबाउंड' भारत की ऑस्कर एंट्री थी- पिछले साल फिल्म होमबाउंड को भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजा गया था। फिल्म में ईशान खट्टर और विशाल जेठवा मुख्य भूमिकाओं में थे। 2025 में अलग-अलग भाषाओं की कुल 24 फिल्मों पर भारत की ऑस्कर एंट्री के लिए विचार किया गया था। इनमें होमबाउंड का सेलेक्शन हुआ था। उस समय सेलेक्शन कमेटी के चेयरपर्सन एन चंद्रा ने कहा था कि यह फैसला काफी मुश्किल था। एन चंद्रा ने कहा था, 'ये

ऐसी फिल्में थीं, जिन्होंने लोगों की जिंदगी को छुआ।' 'होमबाउंड' का निर्देशन नीरज घायवान ने किया था-नीरज घायवान के डायरेक्शन में बनी होमबाउंड बशारत पीर के 2020 के न्यूयॉर्क टाइम्स के लेख 'टेकिंग अमृत होम' पर आधारित थी। फिल्म कान्स और टोरंटो जैसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में भी दिखाई गई थी। फिल्म की कहानी उत्तर भारत के एक छोटे से गांव में रहने वाले दो बचपन के दोस्तों की थी। दोनों ऐसी पुलिस की नौकरी हासिल करना चाहते हैं, जो उन्हें लंबे समय से नहीं मिली गरिमा दिला सके। करण जौहर और अदार पूनावाला के धर्मा प्रोडक्शंस की बनाई 'होमबाउंड' ऑस्कर की शॉर्टलिस्ट लिस्ट (टॉप 15 फिल्में) में जगह बनाने में कामयाब रही, लेकिन फाइनल टॉप-5 नॉमिनेशन में जगह नहीं बना पाई थी। 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने बेस्ट फिल्म समेत 6 अवॉर्ड जीते थे-98वें ऑस्कर अवॉर्ड्स (2026) में 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने बेस्ट फिल्म समेत सबसे ज्यादा 6 अवॉर्ड जीते थे। 'सिनर्स' के लिए माइकल बी. जॉर्डन को बेस्ट एक्टर और 'हेमनेट' के लिए जेसी बकले को बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया था। 'सिनर्स' को सबसे ज्यादा 16 नॉमिनेशन मिले थे, लेकिन फिल्म ने 4 अवॉर्ड जीते थे। वहीं, भारतीय मूल की फिल्ममेकर गीता गंदभीर की दो डॉक्यूमेंट्री नॉमिनेट हुईं। प्रियंका चोपड़ा ने दूसरी बार ऑस्कर में प्रेजेंटर की भूमिका निभाई थी।

संजय दत्त के बिना इजाजत बज रहे कॉपीराइट वाले गाने, शिकायत मिलने पर कोर्ट ने लगाई रोक

मुंबई। पुणे में एक्टर संजय दत्त के नाइटक्लब Ballr पर कॉपीराइट विवाद खड़ा हो गया है। क्लब में बिना इजाजत कॉपीराइट वाले गाने बजाए जा रहे थे।फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (पीपीएल) इंडिया ने बॉम्बे हाई कोर्ट में शिकायत की कि क्लब में बिना लाइसेंस कॉपीराइट म्यूजिक का इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने पीपीएल को अंतरिम राहत देते हुए Ballr को जरूरी लाइसेंस के बिना अपने कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग सार्वजनिक रूप से बजाने से रोक दिया।पीपीएल के एक प्रतिनिधि ने 24 जून को Ballr का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने क्लब में पीपीएल के कलेक्शन के कई कॉपीराइट वाले गाने बजते हुए पाए। Ballr के मालिक एक्टर संजय दत्त और हेरंब शेलके हैं। इन गानों में 'बदतमीज दिल', 'मौजा ही मौजा', 'दर्द-ए-डिस्को', 'ओ साकी साकी' और 'दस बहाने' शामिल हैं। लिस्ट में जस्टिन बीबर और दुआ लिपा के गाने भी-क्लब में बजाए जा रहे गानों की लिस्ट में इंटरनेशनल सॉन्ग भी शामिल थे। इनमें जस्टिन बीबर का 'व्हाट डू यू मीन' और दुआ लिपा का 'लेविटेटिंग' शामिल है। पीपीएल का दावा है कि इन सभी साउंड रिकॉर्डिंग का कॉपीराइट उसी संस्था के पास है। 7 अगस्त के आदेश में बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाइटक्लब के मालिकों को जरूरी नॉन-एक्सक्लूसिव पब्लिक परफॉर्मेंस लाइसेंस के बिना पीपीएल के कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग बजाने या इस्तेमाल करने से रोक दिया। पहले लिया था लाइसेंस, एक्सपायर होने के बाद रिन्यू नहीं कराया-सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि Ballr ने पहले पीपीएल इंडिया से उसके कलेक्शन का म्यूजिक इस्तेमाल करने के लिए कॉपीराइट लाइसेंस लिया था।

रोहित शर्मा होस्ट के तौर पर टीवी पर शुरुवात करेंगे,गेम शो का फॉर्मेट, अक्टूबर में आ सकता है; हर एपिसोड में दो परिवार आएंगे

मुंबई। इंटरनेशनल टी20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद, क्रिकेटर रोहित शर्मा

जल्द ही एक टीवी शो होस्ट करते हुए नजर आएंगे। 'द रोहित शर्मा शो' नाम का यह शो सोनी लिव पर भी स्ट्रीम होगा। हाल ही में शो का एक टीजर आया है। सोनी ने अभी तक शो के फॉर्मेट के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है। हालांकि, सोनी के प्रीव्यू पेज पर इसे रियलिटी शो के तौर पर लिस्ट किया गया है। वहीं स्पोर्ट्स यारी वेब मुताबिक यह शो अमेरिका के फेमस शो 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण होगा, जिसे स्टीव हार्वे होस्ट करते हैं। शो की शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है-यह क्विज शो नहीं, बल्कि गेम शो होगा, जिसमें दो परिवार हिस्सा लेंगे। इसकी शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है, जबकि शो अक्टूबर में ऑन एयर हो सकता है। रोहित इस प्रोजेक्ट पर करीब छह महीने काम करेंगे। इस दौरान हर हफ्ते एक एपिसोड प्रसारित किया जाएगा और शो फरवरी 2027 तक चल सकता है। इससे पहले मई में शो से जुड़ा एक प्रोमो भी सामने आया था, जिसमें रोहित शर्मा अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते नजर आते हैं। इस दौरान फैंस उनसे उनका मशहूर संवाद, 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा,' दोहराने की मांग करते हैं। फैंस की बार-बार की इस मांग से रोहित थोड़े असहज नजर आते हैं और वहां से चले जाते हैं। शो की यह झलक संकेत देती है कि दर्शकों को मैदान से बाहर रोहित का एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा। कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में दिख चुके हैं-भले ही रोहित टीवी शो में पहली बार काम करेंगे, लेकिन कैमरे के सामने वो कई सालों से आ रहे हैं। वे एडिडास, जियो, पैंऊ, थम्स अप, ओरल-बी, बॉर्नविटा, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस और भारतपे जैसे बड़े ब्रांड्स के कॉमर्शियल्स में दिख चुके हैं। इसके अलावा, वो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में 2 बार नजर आ चुके हैं, जिसमें उन्होंने अपने मजाकिया अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन किया और क्रिकेट से जुड़े कई किस्से शेयर किए थे। रोहित शर्मा का क्रिकेट करियर गौरतलब है कि रोहित शर्मा भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल बल्लेबाजों और कप्तानों में शामिल हैं। रोहित ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाए, जिसमें 264 रन की पारी विश्व रिकॉर्ड है। 2019 वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने पांच शतक लगाए। वनडे क्रिकेट में रोहित अब तक 11,895 रन बना चुके हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 2024 टी20 वर्ल्ड कप जिताया। इसके बाद 29 जून 2024 को टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। टी20 में उन्होंने 4,231 रन बनाए। 7 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया। 67 टेस्ट में उन्होंने 4,301 रन बनाए। रोहित अभी वनडे खेल रहे हैं। 19 जुलाई 2026 को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 110 गेंदों पर 138 रन बनाकर इतिहास रचा और लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय पुरुष बल्लेबाज बने।

हसबैंड को दूसरी औरतें भी अच्छी लगती हैं,उन्हें ओपन रिलेशनशिप चाहिए, मुझे घुटन महसूस होती है, मैं क्या करूं

नयी दिल्ली। आज कल के परिवेश में रिश्तो का महत्व बहुत बदल गया हैं इसी तरह की समस्याएं अमूमन बहुत से घरो में देखने को मिलती है और इसी विषय को समझेंगे (एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर) जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 35 साल है। मैं बेंगलुरू में रहती हूं। मेरी शादी को तीन साल हो चुके हैं और पिछले दो साल से हम ओपन रिलेशनशिप में हैं। हमारी लव मैरिज थी, लेकिन हसबैंड इस बात को लेकर हमेशा ओपन थे कि उसे मेरे अलावा दूसरी महिलाएं भी अच्छी लग सकती हैं। पहले ये बात मुझे मजाक लगती थी, लेकिन फिर एक दिन उसने शादी को ओपन रिलेशनशिप की तरह ट्रीट करने की डिमांड कर दी। उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है। मैं राजी तो हो गई, लेकिन वो सब कभी कर नहीं पाई, जो वो कर रहा है। ये उसका ही एकतरफा डिसिजन था, जो मुझ पर थोप दिया गया। अब मैं एक अजीब सी घुटन महसूस करती हूं। हमेशा स्ट्रेस में रहती हूं। मैं क्या करूं? एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। सवाल पूछने के लिए आपका शुक्रिया। भारत में अधिकांश विवाह कमिटेड मोनोगैमी (एकनिष्ठ संबंध) ही समझे और माने जाते हैं। अगर शादी के बाद एक साथी ओपन रिलेशनशिप की डिमांड करे, तो यह केवल लाइफस्टाइल का मुद्दा नहीं रहता। यहां सहमति, पावर-बैलेंस और मेंटल हेल्थ जैसे बहुत से जरूरी और बुनियादी सवाल भी मौजूं हो जाते हैं। किसी भी स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद आपसी सम्मान, अपनी स्वायत्तता और इच्छा से दी गई सहमति और फैसलों में बराबरी पर टिकी होती है। यदि इन चीजों में से कोई एक भी अनुपस्थित हो, तो रिश्तों में तनाव और असंतुलन पैदा हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों की शुरुआत अक्सर हल्के-फुल्के मजाक के साथ होती है। एक पार्टनर मजाक में यह कह सकता है कि 'मुझे दूसरे लोग भी आकर्षक लगते हैं' या 'ओपन रिलेशनशिप का आइडिया भी कितना इंटरेस्टिंग हो सकता है।' साइकोलॉजी में इसे 'चेकिंग बाउंड्रीज' (सीमा चेक करना) कहा जाता है। मनोविज्ञान में 'बाउंड्रीज चेक करने' का मतलब है, अपनी या दूसरे व्यक्ति की सीमाएं देखना, समझना, तय करना, उसे डिफाइन करना। कोई व्यक्ति पहले हंसी-मजाक में अपने विचार रखता है और दूसरे की प्रतिक्रिया देखता है। अगर दूसरा साथी इसे गंभीरता से नहीं लेता, तो धीरे-धीरे यही बात रीअल प्रपोजल में बदल सकती है। कई लोग बाद में सोचते हैं कि उन्होंने उस समय इस बात को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। इसके पीछे कुछ सामान्य मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। जैसेकि- कभी-कभी व्यक्ति रिश्ते को खोने से डरता है।

कभी वह संघर्ष से बचना चाहता है। कभी उसे लगता है कि साथी को खुश रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। कई समाजों में यह

भी सिखाया जाता है कि रिश्ते को बनाए रखने के लिए एडजस्टमेंट करना जरूरी होता है। परसुएशन या मैनिपुलेशनः एक बारीक रेखा- इसी तरह कई बार एक पार्टनर कहता है कि दूसरा पार्टनर हमेशा अपनी बातें मनवा लेता है। जैसाकि आपने भी अपने पार्टनर के लिए लिखा है, 'उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है।' लेकिन यहां इस बात के गहरे निहितार्थ को समझना जरूरी है। इसका एक अर्थ यह हो सकता है कि पार्टनर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी हो सकती है कि वह इनडायरेक्ट तरीके से भावनात्मक दबाव बना रहा हो। या लगातार 'परसुएशन' कर रहा हो। परसुएशन का अर्थ है कि एक बात को अनेकों बार कहना, अनुनय-विनय, याचना करना और आखिरकार अपनी बात मनवा ही लेना। कई बार परसुएशन और मैनिपुलेशन के बीच की रेखा बहुत धुंधली होती है। व्यक्ति को बाद में यह महसूस होता है कि उसने सहमति तो दी थी, लेकिन यह सहमति वास्तव में उसकी अपनी मर्जी, खुशी और इच्छा से नहीं करता हो। ऐसी परिस्थितियों में लगातार घुटन और तनाव महसूस होना बहुत स्वाभाविक इमोशनल रिएक्शन है। अगर संबंधों में लंबे समय तक तनाव रहे तो इससे नींद की समस्या, एंग्जाइटी, इमोशनल फटीग, आत्मसम्मान में कमी जैसे अनुभव हो सकते हैं। ये सारे संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि व्यक्ति की भावनात्मक जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। आपके सवाल ने बहुत से तथ्य साफ कर दिए हैं, लेकिन फिर भी आपकी स्थिति का मूल्यांकन आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। आपको खुद से कुछ सवाल पूछने और अपना सेल्फ इवैल्यूएशन करने की जरूरत है। ये पहला कदम है। जब जमीनी स्थिति साफ समझ में आएगी तभी आप ये तय कर पाएंगी कि आगे आपको कौन-सा रास्ता चुनना चाहिए, कौन से फैसले करने चाहिए। तो आइए शुरू करते हैं।यहां पहला और सबसे जरूरी सवाल ये है कि आप अपनी मर्जी के बाद अगला महत्वपूर्ण कदम अपनी ताकत और अपने सपोर्ट सिस्टम को आइडेंटिफाई करना है। जब व्यक्ति इमोशनल स्ट्रेस में होता है, तो उसे लगता है कि वह अकेला है, जबकि यह सच नहीं होता।

सहमति दिए जाने के पीछे कुछ संभावित कारणों का ऊपर जिक्र किया है। लेकिन आपको अपना इवैल्यूएशन करके यह समझना है कि आपके फैसले के पीछे सबसे बड़ा और ठोस कारण क्या था। आपको सवालों को 1 से 10 के स्केल पर रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपको लगता है कि यह सबसे बड़ा और ठोस कारण था तो 10 नंबर दें और अगर आपको लगता है कि यह बहुत ही मामूली कारण था तो 1 नंबर दें। बहुत धैर्य और शांति से सोच-समझकर हर सवाल को नंबर दें और अंत में अपने स्कोर का मूल्यांकन करें। यदि आपका कुल स्कोर बहुत ज्यादा है तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उस समय आपने जो निर्णय लिया, वह एक स्वतंत्र निर्णय नहीं था। वह अपनी मर्जी और खुशी से लिया गया फैसला नहीं था, बल्कि वह दूसरे व्यक्ति के डर या दबाव से प्रभावित फैसला था। इन भावनाओं को समझने के बाद यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि क्या रिश्ते में परसुएशन या मैनिपुलेशन के संकेत भी मौजूद हैं।सेल्फ इवैल्यूएशन टेस्ट 2- क्या मैं रिलेशनशिप में इमोशनल दबाव महसूस करती हूं? यह किसी भी रिश्ते का सबसे अहम पहलू है कि दोनों पक्ष भावनात्मक रूप से कितना सुरक्षित महसूस करते हैं और दोनों में कितनी बराबरी है। जब एक पक्ष इमोशनल प्रेशर महसूस करे या इमोशनली इनसिक्योर महसूस करे तो रिश्ता अनहेल्दी हो सकता है। इसे समझने के लिए मैं आपको एक सेल्फ इवैल्यूएशन टेस्ट दे रहा हूं। नीचे ग्राफिक में कुल 8 सवाल हैं। इन सवालों को आपको 0 से लेकर 3 तक के स्केल पर स्कोर करना है। 0 का अर्थ है 'कभी नहीं' और 3 का अर्थ है 'लगभग हमेशा।' जैसेकि अगर पहले सवाल का आपका जवाब 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर जवाब 'लगभग हमेशा' है तो 3 नंबर दें।

अंत में अपने स्कोर की एनालिसिस करें। यहां अलग से कोई स्कोर इंटरप्रिटेशन चार्ट नहीं दिया गया है।

लेकिन अगर आपका टोटल स्कोर ज्यादा है तो यह रिश्ते में एक तरह के पावर इंबैलेंस का संकेत हो सकता है। सेल्फ इवैल्यूएशन टेस्ट 3-क्या मेरे पास सपोर्ट सिस्टम है? ऊपर दिए गए सवालों पर विचार करने के बाद अगला महत्वपूर्ण कदम अपनी ताकत और अपने सपोर्ट सिस्टम को आइडेंटिफाई करना है। जब व्यक्ति इमोशनल स्ट्रेस में होता है, तो उसे लगता है कि वह अकेला है, जबकि यह सच नहीं होता। ऐसी परिस्थितियों में लगातार घुटन और तनाव महसूस होना बहुत स्वाभाविक इमोशनल रिएक्शन है। अगर संबंधों में लंबे समय तक तनाव रहे तो इससे नींद की समस्या, एंग्जाइटी, इमोशनल फटीग, आत्मसम्मान में कमी जैसे अनुभव हो सकते हैं। ये सारे संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि व्यक्ति की भावनात्मक जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। आपके सवाल ने बहुत से तथ्य साफ कर दिए हैं, लेकिन फिर भी आपकी स्थिति का मूल्यांकन आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। आपको खुद से कुछ सवाल पूछने और अपना सेल्फ इवैल्यूएशन करने की जरूरत है। ये पहला कदम है। जब जमीनी स्थिति साफ समझ में आएगी तभी आप ये तय कर पाएंगी कि आगे आपको कौन-सा रास्ता चुनना चाहिए, कौन से फैसले करने चाहिए। तो आइए शुरू करते हैं।यहां पहला और सबसे जरूरी सवाल ये है कि आप अपनी मर्जी के बाद अगला महत्वपूर्ण कदम अपनी ताकत और अपने सपोर्ट सिस्टम को आइडेंटिफाई करना है। जब व्यक्ति इमोशनल स्ट्रेस में होता है, तो उसे लगता है कि वह अकेला है, जबकि यह सच नहीं होता।

धुरंधर एक्टर राकेश बेदी संभालेंगे आरसीएल की कप्तानी,अब हर रन भरेगा भूखों की थाली

मुंबई। बॉलीवुड की महफिल सजी, सितारे जुटे और चर्चा क्रिकेट की हुई, लेकिन इस बार मामला सिर्फ चौके-छक्कों का नहीं है। अभिनेता राकेश बेदी क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी करेंगे और उनके हर रन का

कनेक्शन जरूरतमंद की थाली से होगा। आरसीएल सीजन-4 में क्रिकेट, मनोरंजन और सामाजिक सरोकार का मेल देखने को मिलेगा, जहां जीत सिर्फ ट्रॉफी की नहीं, बल्कि किसी की भूख मिटाने की भी होगी। मुंबई में मनोरंजन जगत के सितारों की मौजूदगी में रेस्तरां क्रिकेट लीग यानी आरसीएल सीजन-4 का ऐलान हुआ। आमतौर पर कलाकार फिल्मों, शूटिंग या नए प्रोजेक्ट से जुड़कर सुर्खियों में आते हैं, लेकिन इस बार कहानी अलग है। अभिनेता राकेश बेदी अब कैमरे के सामने अभिनय के साथ क्रिकेट मैदान पर भी कप्तानी करते नजर आएंगे। फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आए बेदी आरसीएल सुपरस्टार्स-11 की कमान संभालेंगे। लेकिन इस लीग की कहानी सिर्फ सितारों, बल्ले और चौकों-छक्कों तक सीमित नहीं है। आरसीएल सीजन-4 को 'भूख मुक्त भारत' अभियान से जोड़ा गया है। अक्टूबर में नई दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता का खास संदेश है-'10 रन = 100 भोजन'।

यानी मैदान पर बनाए गए हर 10 रन सिर्फ स्कोरबोर्ड नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि 100 जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने की कोशिश भी करेंगे। इस बार बल्लेबाज के बल्ले से निकला हर रन किसी की थाली तक पहुंचने वाली उम्मीद बनेगा। आरसीएल और 'भूख मुक्त भारत' अभियान के संस्थापक अरविंद कुमार ने कहा कि इस पहल की शुरुआत क्रिकेट की लोकप्रियता का इस्तेमाल समाज के लिए करने की सोच के साथ हुई। उनका कहना है कि एक तरफ लाखों लोग पर्याप्त भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बड़ी मात्रा में खाने योग्य भोजन बर्बाद हो जाता है। ऐसे में भोजन कूड़ेदान में जाने के बजाय जरूरतमंद की थाली तक पहुंचना चाहिए। किसानों से लेकर बधिर महिला क्रिकेट टीम तक मैदान में-आरसीएल सीजन-4 में समाज के अलग-अलग वर्गों और क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें ट्रांसजेंडर लोगों की टीम, भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम, किसानों, प्रभावशाली व्यक्तित्वों, रसोइयों, दिल्ली पुलिस और दिल्ली पब्लिक स्कूल इंदिरापुरम की टीमें शामिल हैं। नेपाल से शेफ रत्ना तामांग के नेतृत्व में दोस्तों की टीम भी प्रतियोगिता का हिस्सा बनेगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन भी इस पहल से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आरसीएल की सबसे बड़ी खासियत इसका सामाजिक उद्देश्य है। क्रिकेट में आमतौर पर रन, रिकॉर्ड और औसत की चर्चा होती है, लेकिन यहां हर रन जरूरतमंद के लिए भोजन का माध्यम बन सकता है। किसान प्रभावशाली व्यक्तित्व जुगाडू कमलेश ने बताया कि भारतीय गांवों के किसान भी इस बार क्रिकेट के मैदान पर उतरेंगे। उनका कहना है कि किसान देश का पेट भरता है और अब वही किसान भूख के खिलाफ इस अभियान का हिस्सा बनकर खेलेंगे।

कार्यक्रम में अभिनेता रजा मुराद, सुनील पाल, बिंदू दारा सिंह, शाहबाज खान और अरुण बख्शी समेत फिल्म जगत से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। आरसीएल सीजन-4 का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता जीतना नहीं है। आयोजकों के मुताबिक इस बार मैदान पर बनाए जाने वाले रन भूख, भोजन की बर्बादी और सामाजिक जिम्मेदारी के खिलाफ संदेश भी देंगे। इस मुकाबले में असली जीत तब होगी, जब क्रिकेट के जरिए ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों की थाली तक भोजन पहुंचेगा।

शम्मी की अस्थियां डल झील में विसर्जित की गई थीं,लोग गाने की वजह से Yahoo का मालिक समझते थे

मुंबई। शम्मी कपूर को 'याहू' की गूंज, बेफिक्र अंदाज और खुलकर नाचने वाले हीरो के तौर पर पूरी पीढ़ी ने याद किया। लेकिन उनके जीवन के कई किस्से स्टारडम से

भी ज्यादा दिलचस्प हैं। एक दौर में उनकी 'याहू' पहचान इतनी मशहूर हो गई थी कि लोग उन्हें याहू कंपनी का मालिक समझने लगे थे। परिवार में भी कन्फ्यूजन था। रणधीर कपूर ने उनसे पूछ लिया था- 'अंकल, आपने कंपनी खोली और बताया भी नहीं?' शम्मी कपूर की 15वीं डेथ एनिवर्सरी पर रजा मुराद और अरुण बख्शी ने उनसे जुड़ी यादें साझा कीं। शम्मी कपूर के स्टारडम को समझने के लिए रजा मुराद की कहानी काफी है। जिस अभिनेता के साथ बाद में उन्होंने स्क्रीन शेयर की, कभी उसी की फिल्म देखने के लिए उन्हें घंटों एडवांस बुकिंग की लाइन में खड़ा होना पड़ता था। रजा मुराद बताते हैं कि शम्मी कपूर उनके पसंदीदा सितारों में थे। 'जंगली', 'जानवर', 'ब्लफ मास्टर', 'राजकुमार' और 'सच्चाई' जैसी फिल्मों के लिए दर्शकों में जबरदस्त क्रेज रहता था। करंट बुकिंग में टिकट मिलना मुश्किल होता था। इसलिए एडवांस बुकिंग के लिए घंटों लाइन लगानी पड़ती थी। नकल नहीं की, अपना अंदाज बनाया-शम्मी कपूर की खासियत सिर्फ उनकी लोकप्रियता नहीं थी। उन्होंने किसी दूसरे अभिनेता की नकल करके अपना स्टाइल नहीं बनाया। उनकी अपनी बॉडी लैंग्वेज, ऊर्जा और आत्मविश्वास था। यही वजह थी कि भीड़ में भी वह तुरंत अलग नजर आते थे। फैन से को-स्टार तक का सफर-वक्त बदला और वही रजा मुराद फिल्म 'प्रेम रोग' के सेट पर शम्मी कपूर के साथ खड़े थे, जिनकी फिल्में देखने के लिए वह कभी लाइन में लगा करते थे। रजा के लिए यह सपने के सच होने जैसा था। लेकिन शम्मी कपूर ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं कराया। जूनियर कलाकार होने के बावजूद वह उनसे सहजता और बराबरी के भाव से पेश आते थे। रजा मुराद कहते हैं- सेट पर वह प्रैंक और मजाक करते रहते थे। कई बार किसी से आधी बात कहकर अचानक चुप हो जाते। सामने वाला सोचता रह जाता कि आखिर बात क्या है। फिर कुछ देर बाद शम्मी कपूर हंसते हुए बताते कि वह मजाक कर रहे थे। कैमरे का एंगल तक याद रहता था-उनके भीतर का बच्चा उम्र के साथ बड़ा नहीं हुआ था। कैमरे के सामने भी वह सजग रहते थे। उन्हें पता रहता था कि कैमरा किस एंगल से उन्हें देख रहा है और फ्रेम में उनका चेहरा किस तरह नजर आएगा। अच्छा खाना उन्हें पसंद था और दोस्तों को खिलाना भी। घर पर दोस्तों के लिए दावतें करना उनके स्वभाव का हिस्सा था। स्टारडम के बावजूद जिंदगी को भरपूर जीने का यह अंदाज आखिरी दौर तक बना रहा। कश्मीर से था खास रिश्ता-शम्मी कपूर और कश्मीर का रिश्ता हिंदी सिनेमा की यादों में खास जगह रखता है। 'जंगली', 'कश्मीर की कली' और 'जानवर' जैसी फिल्मों ने कश्मीर की खूबसूरती देशभर के दर्शकों तक पहुंचाई। 'ये चांद सा रोशन चेहरा', 'कश्मीर की कली हूं मैं' और 'मेरे यार शब्बा खैर' जैसे गीतों में नजर आईं वादियां और शम्मी कपूर का मस्तमौला अंदाज दर्शकों के दिल में बस गया। कश्मीर के पर्यटन में भी योगदान- रजा मुराद मानते हैं कि कश्मीर के पर्यटन को लोकप्रिय बनाने में शम्मी कपूर की फिल्मों का बड़ा योगदान था। उनका कहना था कि शम्मी कपूर के नाम पर वहां कोई सड़क, बगीचा या मोहल्ला होना चाहिए। वह चाहते थे कि कश्मीर एयरपोर्ट का नाम भी शम्मी कपूर के नाम पर रखा जाता तो यह उनके योगदान का शानदार सम्मान होता। रजा के लिए शम्मी कपूर का पूरा व्यक्तित्व एक ही बात में समाया था- या तो सबसे अच्छे बनो या सबसे अलग। शम्मी कपूर निश्चित रूप से सबसे अलग थे। गीता बाली से मुलाकात और चार महीने का प्यार-शम्मी कपूर की निजी जिंदगी का खूबसूरत अध्याय अभिनेत्री गीता बाली से जुड़ा था। दोनों की मुलाकात फिल्मी माहौल में हुई।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।